छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351
डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 07 ■ अंक - 48 ■ बैकुंठपुर, गुरूवार 12 नवम्बर 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

छठ महापर्व को लेकर प्रशासन अलर्ट, तैयारियों का जायजा लेने कलेक्टर-एसएसपी घाटों तक पहुचे

■ अधिकारियों को समुचित प्रकाश, यातायात व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए जरूरी निर्देश



छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। छठ महापर्व के मद्देनजर आमजनों की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में बुधवार को कलेक्टर अजीत वसंत एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने शहर के शंकर घाट एवं खर्रा नदी पर बने घुनघुट्टा घाट पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं एसएसपी ने प्रशासनिक अधिकारियों की टीम के साथ दोनों छठ घाटों पर पहुंचकर तैयारियों का अवलोकन किया। शंकर घाट में कलेक्टर अजीत वसंत ने छठ पूजा समिति के सदस्यों से चर्चा कर पर्व के आयोजन एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को पूजा स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने, नगर सैनिकों की ड्यूटी लगाने, मुख्य मार्गों पर आवश्यक बैरिकेडिंग करने तथा श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पार्किंग व्यवस्था, आवागमन के लिए रूट निर्धारण, सुचारु यातायात और स्वास्थ्य टीम की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा। इसके पश्चात कलेक्टर एवं एसएसपी ने घुनघुट्टा घाट का निरीक्षण किया। यहां छठ पूजा समिति के सदस्यों से तैयारियों की जानकारी ली तथा आवश्यक प्रशासनिक सहयोग को लेकर चर्चा की गई। वहीं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा और निगरानी के लिए राजस्व विभाग की टीम के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने दोनों घाटों पर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने, वाहनों के आवागमन को नियंत्रित करने तथा श्रद्धालुओं के लिए सुगम आवागमन एवं व्यवस्थित पार्किंग सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

शंकर घाट में 40 हजार श्रद्धालुओं के जुटने का अनुमान

आस्था के महापर्व छठ पूजा का बड़ा आयोजन शंकर घाट व खर्रा नदी, पैलेस तालाब में होता है। शंकर घाट में महामाया छठ सेवा समिति द्वारा 28वें वर्ष छठ महापर्व का आयोजन किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष विजय सोनी ने बताया कि पिछले एक महीने से घाट में सफाई के अलावा टेंट-पंडाल लगाने की तैयारियां चल रही है। घाट की गोबर से लिपाई, पंडाल निर्माण, रंग-बिरंगी लाइटिंग और श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था समिति द्वारा की जा रही है। समिति के अनुसार इस वर्ष घाट में करीब 40 हजार श्रद्धालुओं के जुटने की उम्मीद है।

खर्रा नदी पर 1200 घाट तैयार, गंगा आरती व सांस्कृतिक कार्यक्रमों होंगे

खरना पूजन 14 को, उमड़ेंगे श्रद्धालु

घुनघुट्टा श्याम सेवा समिति सोहगा-करजी द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी खर्रा नदी पर छठ पूजा का बृहद आयोजन किया जा रहा है। पिछले वर्ष उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए इस बार समिति ने दोनों ओर मिलाकर लगभग 1200 घाटों के निर्माण की तैयारी पूरी कर ली है। हजारों वाहनों की पार्किंग के लिए 3 अलग-अलग पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। समिति द्वारा 15 नवंबर की शाम 3 बजे से लेकर सुबह तक भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम और सुबह-शाम भव्य गंगा आरती का भी आयोजन किया जाएगा। समिति के संरक्षक राकेश गुप्ता ने बताया कि छठ घाट के टोकन 12 नवंबर से प्राप्त किए जा सकते हैं। टोकन के लिए श्रद्धालु खर्रा नदी पर समिति के सदस्यों से या अंबिकापुर में न्यू महामाया रोड स्थित ग्रामीण बैंक के बगल में महामाया मिल स्टोर से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने सभी छठ व्रती माताओं-बहनों और श्रद्धालुओं से छठ पूजा में शामिल होने का आग्रह किया है। कलेक्टर और एसएसपी ने घाट पर की गई तैयारियों को देखकर संतुष्टि जताई और समिति को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान समिति के अध्यक्ष रामकुमार गुप्ता, संजीव कश्यप, नारद गुप्ता, प्रेम कुशवाहा, उत्तम राजवाड़े, निलेश कश्यप, वितिष गुप्ता, मानसून गुप्ता, नीरज गुप्ता, राकेश सोनी, प्रकाश सोनी, मुकेश गिरी, विपिन कुशवाहा, संदीप गुप्ता, तेजराज गुप्ता, पंकज गुप्ता, विकास कश्यप, अमन गुप्ता, धनेश्वर गिरी, गणेश भारती, शुभम कुशवाहा, आशीष कुशवाहा, अंशुल कुशवाहा, दक्ष राज सोनी, शशी कुशवाहा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने सुनी अन्नदाताओं की गुहार, खलीबा में नवीन धान खरीदी केंद्र की स्वीकृति

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। किसानों की मेहनत से उपजी फसल को बेचने के लिए अब उन्हें लंबी दूरी तय करने और परिवहन की परेशानियों से जूझने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा किसानों की सुविधाओं के विस्तार के लिए किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सरगुजा जिले के ग्राम खलीबा में देखने को मिला है। यहां किसानों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए नवीन धान उपार्जन केंद्र की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस निर्णय से खलीबा सहित आसपास के 11 गांवों के किसानों में खुशी का माहौल है। क्षेत्र के लगभग 416 पंजीकृत किसानों को इसका सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। धान खरीदी केंद्र की स्वीकृति उन छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए विशेष राहत लेकर आई है, जिन्हें अब तक अपनी उपज बेचने के लिए दूरस्थ खरीदी केंद्रों पर निर्भर रहना पड़ता था। वाहन की व्यवस्था, परिवहन पर अतिरिक्त खर्च और समय की बर्बादी जैसी समस्याएं किसानों के लिए बड़ी चुनौती थीं। अब अपने क्षेत्र में ही खरीदी केंद्र की सुविधा मिलने से धान विक्रय की प्रक्रिया अधिक आसान और सुविधाजनक होगी।



11 गांवों के किसानों को होगी सुविधा

नवीन धान खरीदी केंद्र से ग्राम खलीबा, अजिरमा, कुल्हाड़ी, चठिरमा, ठाकुरपुर, बढ़नीझरिया, बलसेड़ी, बिसुनपुर खुर्द, भगवानपुर कला, भगवानपुर खुर्द एवं मेन्ड्राखुर्द के किसानों को सुविधा मिलेगी। खलीबा आसपास के गांवों के मध्य स्थित है, जिससे यह स्थान धान खरीदी केंद्र के लिए सुविधाजनक है। नवीन खरीदी केंद्र की सुविधा मिलने से आने वाले वर्षों में पंजीयन कराने वाले किसानों की संख्या में भी बढ़ोतरी होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री का ग्रामीणों ने जताया आभार

नवीन धान उपार्जन केंद्र की स्वीकृति मिलने पर प्रगतिशील कृषक एवं उपसरपंच नितेश कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा हमारे क्षेत्र के किसान कई वर्षों से धान बेचने में परेशानियों का सामना कर रहे थे। वाहन नहीं मिलने और दूर खरीदी केंद्र तक जाने में काफी दिक्कत होती थी। हमने लगातार प्रयास कर अपनी मांग जनप्रतिनिधियों के माध्यम से मुख्यमंत्री तक पहुंचाई, जिसे उन्होंने पूरा किया है।

सोसायटियों में कतार लगाने की जरूरत नहीं

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों को धान बेचने के लिए टोकन प्राप्त करने हेतु सोसायटियों में लंबी कतारों में नहीं लगना पड़ेगा। राज्य सरकार द्वारा किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी 'तुंहर टोकन' मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाइन टोकन की व्यवस्था की गई है। धान खरीदी के लिए टोकन काटने की प्रक्रिया 10 नवंबर से शुरू हो गई है। किसान अपनी सुविधा के अनुसार एप के माध्यम से घर बैठे धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त कर सकेंगे। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा संचालित 'तुंहर टोकन' मोबाइल एप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। इसके माध्यम से किसान 24/7 ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन व्यवस्था से किसानों के समय और श्रम की बचत होने के साथ ही धान खरीदी की प्रक्रिया अधिक सुगम और व्यवस्थित होगी।

वन अमले ने मादा हाथी के शव को दफन कराया, 5 संदेहियों से पूछताछ जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन

उदयपुर। वन परिक्षेत्र उदयपुर के लक्ष्मणगढ़ सर्किल में मादा हाथी की मौत के मामले में वन विभाग की जांच तेज हो गई है। 10 नवंबर, मंगलवार को ग्राम सुखरी भंडार के कुसुवामुड़ा के पास बरामद मादा हाथी के शव का पशु चिकित्सकों से पोस्टमार्टम करवाने के बाद जेसीबी से गड्ढा खोदकर दफना दिया है। आशंका है कि हाथी को करंट लगाकर मारा गया है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही वास्तविक तथ्य सामने आ पाएगा। इधर पुलिस और वन अमले की संयुक्त टीमें मादा हाथी की मौत के बाद अलर्ट है, और संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। मादा हाथी के दफन प्रक्रिया दौरान डीएफओ लोकनाथ पटेल, एसडीओ सपना मुखर्जी, रेंजर फेंकू चौबे समेत उदयपुर वन विभाग का पूरा अमला मौके पर मौजूद रहे। इसी क्रम में एक और हाथी के मौत की उड़ी खबर से हरकत में आए अधिकारियों ने डॉग स्क्वायड और पुलिस की संयुक्त टीम के साथ पूरे जंगल में सर्च ऑपरेशन चलाया। डॉग स्क्वायड को उसी जगह से ट्रेल कराया गया, जहां से खेतों में करंट का तार बिछाया गया था। टीम ने आसपास के कई किलोमीटर जंगल को खंगाला, लेकिन दूसरे हाथी का कहीं कोई सुराग नहीं मिला। इधर बिजली पोल से हुकिंग करके करंट प्रवाहित तार का जाल फैलाने वालों के तलाश में भी टीम लगी है। बताया जा रहा है कि इनमें से कुछ संदिग्ध चेहरे सामने आए हैं।

अभी तक 14 संदेही लिए गए हिरासत में

इधर वन व पुलिस विभाग की टीम ने सुखरी भंडार के ग्रामीणों से पूछताछ शुरू की। पहले 7 संदेहियों को हिरासत में लेकर वन कार्यालय में कड़ाई से पूछताछ की गई, जिसमें कई अन्य लोगों के नाम सामने आए। 14 लोगों से पूछताछ के बाद 9 लोगों को छोड़ देने की खबर है, जबकि 5 लोगों से अभी भी पूछताछ जारी है। इनके द्वारा भी कुछ अन्य नाम सामने लाए गए हैं, जिन्हें हिरासत में लेने के लिए टीम दबिश दे रही है।

संदेहियों से पूछताछ जारी, होगी कड़ी कार्रवाई

रेंजर फेंकू चौबे ने बताया कि हिरासत में लिए गए पांचों लोगों से लगातार पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि दूसरे हाथी की मौत की सूचना पर पूरे जंगल की सघन तलाशी ली गई, लेकिन इस तरह का कोई मामला सामने नहीं आया है। मामले में पूछताछ पूरी होने के बाद गुरूवार को सभी आरोपियों के विरूद्ध विधि अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

कांग्रेस ने मंडल चौपाल से वोट बचाओ-देश बचाओ का बिगुल फूंका

दिग्गज बोले-भाजपा वोट चोरी करके राशन पर डाल रही डाका

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यक्रम 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तीसरे चरण के तहत सरगुजा संभाग में जमीनी लड़ाई शुरू हो गई है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर 11 नवंबर से मंडल स्तर पर चौपाल कार्यक्रम का आगाज किया गया है। इसके लिए एआईसीसी ने देवाशीष पटनायक को सरगुजा संभाग का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पहले दिन सरगुजा जिले के 7 मंडलों में चौपाल का आयोजन किया गया। एआईसीसी पर्यवेक्षक देवाशीष पटनायक ने सीतापुर मंडल, रघुनाथपुर मंडल और अंबिकापुर शहर के विशुनपुर मंडल की चौपाल में शिरकत की। कार्यक्रम की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि विशुनपुर मंडल के प्रभारी पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव और सीतापुर मंडल के प्रभारी पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत बनाए गए हैं। चौपाल को संबोधित करते हुए पर्यवेक्षक देवाशीष पटनायक ने भाजपा और चुनाव आयोग पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के माध्यम से पूरी चुनावी प्रक्रिया को काबू में कर देश की सत्ता हमेशा के लिए हथियाना चाहती है। 13 करोड़ लोगों का नाम वोटर लिस्ट से काटने के बाद अब मोदी सरकार की नजर लोगों के राशन कार्ड पर है। सरकार आधार कार्ड की जगह वोटर कार्ड को लाभार्थियों के चयन का आधार बनाकर गरीबों को राशन से वंचित करना चाहती है।



राहुल गांधी की बात सही साबित हो रही

पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने कहा कि भाजपा सरकार ने चुनाव आयोग के जरिए वोटर लिस्ट को ही नागरिकता का दस्तावेज बना दिया है। उन्होंने कहा कि एक साल पहले राहुल गांधी ने कहा था कि मोदी सरकार एसआईआर के नाम पर विरोधी मतदाताओं के नाम काट रही है। कल इसी के भाजपा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के माध्यम से पूरी चुनावी प्रक्रिया को काबू में कर देश की सत्ता हमेशा के लिए हथियाना चाहती है। राहुल गांधी की बात आज सही साबित हो रही है। केंद्र सरकार ने आधार के स्थान पर वोटर कार्ड को योजना का आधार बनाने की तैयारी कर ली है।

भाजपा ने देश में लोकतंत्र को समाप्त किया

पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर कंट्रोल कर भाजपा ने देश में लोकतंत्र को समाप्त कर दिया है। कांग्रेस राहुल गांधी के नेतृत्व में एक बार फिर देश में लोकतंत्र की स्थापना के लिए कमर कस चुकी है।

बूथ स्तर तक जाएगी कांग्रेस

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा लिए गए असंवैधानिक निर्णयों और गलत एसआईआर के जरिए देश में 13 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जाने के विरोध में कांग्रेस ने 2 अक्टूबर से वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान शुरू किया था। 1 नवंबर को दिल्ली में इंडिया गठबंधन की विशाल रैली हुई। अब तीसरे चरण में वोट चोरी के संगठित प्रयास को आमजन तक पहुंचाने के लिए मंडल और बूथ स्तर पर चौपाल का निर्णय लिया गया है। 15 नवंबर तक मंडल स्तरीय चौपाल चलेगी, वहीं 16 से 25 नवंबर तक बूथ स्तर पर सघन जनसंपर्क और चौपाल का आयोजन होगा।

टी.एस. सिंहदेव सभी 10 मंडलों के प्रभारी

इसके लिए कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेताओं को प्रभारी बनाया गया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव स्वयं अंबिकापुर शहर ब्लॉक के सभी दस मंडलों के प्रभारी हैं। वहीं 18 नवंबर को छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत स्वयं सरगुजा जिले में बूथ स्तरीय चौपाल में शामिल होंगे। इन चौपालों में ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, बूथ कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

बच्चों के झगड़े में ममेरे भाई ने बहन को पत्थर से वार करके मार डाला

भाई दूज से पहले जंगल ले जाकर वारदात को दिया अंजाम, आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन

चांदो। बलरामपुर जिला के चांदो थाना क्षेत्र में बच्चों के मामूली झगड़े ने ऐसी खूनी रंजिश का रूप ले लिया कि ममेरे भाई ने अपनी ममेरी बहन की बेरहमी से हत्या कर दी। भाई दूज से ठीक एक दिन पहले की रात को वह महिला को बहाने से जंगल ले गया और सिर पर पत्थर से वार करके मौत के घाट उतार दिया। मंगलवार को सुबह बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के चांदो थाना क्षेत्र के भीतरकोना जंगल में महिला का खून से लथपथ शव मिला था। मामले में पुलिस ने आरोपी मदन नगेशिया को गिरफ्तार करके बुधवार को जेल भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक, मृतका पलंगी नगेशिया (46 वर्ष) ग्राम मुड़कमपाट (चंचलचुवा) की रहने वाली थी। 10 नवंबर की सुबह ग्रामीणों ने भीतरकोना जंगल में पेड़ों के झुरमुट के बीच गड्ढे में महिला के शव को पड़ा देखा। सिर और चेहरे पर पत्थर से कुचलने के गंभीर निशान थे। सूचना पर चांदो पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम कर हत्या का अपराध दर्ज किया। पुलिस की जांच में सामने आया कि करीब 2-3 महीने पहले मृतका की नातिन और आरोपी ममेरे भाई के बेटे के बीच विवाद हुआ था। इसे लेकर पलंगी और उसके ममेरे भाई मदन के बीच भी झगड़ा और गाली-गलौज हुआ, तभी से आरोपी मन में रंजिश रखा था। पुलिस के अनुसार गोवर्धन पूजा की रात आरोपी ने हड़िया शराब पी रखी थी। इसी नशे में वह पलंगी को जंगल की ओर ले गया और मौका पाकर पत्थर से ताबड़तोड़ वार करके उसकी हत्या कर दी, ताकि किसी को पता न चले। शव मिलने के बाद स्वजन की सूचना पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर वैज्ञानिक टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए। संदेह के आधार पर मदन नगेशिया से पूछताछ की गई तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। चांदो थाना प्रभारी मनीष नेताम ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार करके बुधवार को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।



कुएं में मिला दो ग्रामीणों का शव, एक को बचाने दूसरे के कूदने का संदेह

अंबिकापुर। सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम काराबेल के मुड़पारा में कूएं में दो ग्रामीणों की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मृतकों की पहचान अशोक बखला (45) पिता सिवमुन और कमल तिर्की (55) पिता बैगा तिर्की के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार, ग्राम काराबेल के मुड़पारा स्थित सुनसान इलाके में बने एक गहरे कूएं में दोनों के शव तैरते हुए मिले। कुआं बस्ती से दूर होने के कारण घटना की जानकारी तत्काल किसी को नहीं मिल सकी।

बीमारी से हुई मौतों को टोटका मानकर बुजुर्ग महिला को मार डाला

■ हथौड़े से निर्ममता से प्रहार करके घटना को अंजाम देने वाले 4 गिरफ्तार



छ.ग.फ्रंटलाइन

बलरामपुर। जिले के पस्ता थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सरगवां पंडोपारा में अंधविश्वास में एक बुजुर्ग महिला की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक रजपतिया पंडो अपने घर में अकेले रहती थी। उसके सौतेले बेटे जेठू पंडो ने 10 नवंबर को थाने में सूचना दी कि उसकी मां के सिर और चेहरे पर चोट के निशान हैं और वह बिस्तर में खून से लथपथ पड़ी है। पुलिस मौके पर पहुंची और शव पंचनामा की कार्रवाई करके अग्रिम जांच में जुटी तो सामने आया कि 9 नवंबर की रात करीब 9 बजे देवकुमार देवांगन, मुनेश अगरिया, रामप्रसाद पंडो और शिवनाथ नगेशिया ने एक राय होकर महिला को डायन बताते हुए हत्या की साजिश रची थी। पुलिस ने आरोपियों का नाम सामने आने के बाद शिवनाथ नगेशिया को हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू की तो उसने बताया कि देवकुमार और मुनेश ने महिला पर जादू-टोना करने का आरोप लगाते हुए घर में घुसकर हथौड़ी से वार कर दिया, इस दौरान वह स्वयं और रामप्रसाद बाहर पहरा दे रहे थे। आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। देवकुमार ने बताया कि 2 हफ्ते पहले उसकी बड़ी मां दुमरी की बीमारी से मौत हुई थी और मुनेश की मां सिबनी की 3 हफ्ते पहले बुखार से मौत हुई थी। उन्हें रजपतिया पंडो पर जादू-टोना करने का संदेह था, जिस कारण उन्होंने घटना को अंजाम दिया। मामले की गुत्थी सुलझाने में पस्ता थाना प्रभारी पुष्पराज साहू व टीम की सक्रिय भूमिका रही। पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध धारा 103(1), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है, और चारों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है।

दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
सत्य के प्रति समर्पित

एजेंसी / वितरक की आवश्यकता

दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन को चिरमिरी, खड़गवां एवं भरतपुर क्षेत्रों के लिए एजेंट / वितरकों की आवश्यकता है।

इच्छुक व्यक्ति शीघ्र संपर्क करें।

संपर्क सूत्र: 7566950555

पता: दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन, अंबिकापुर, जिला-सरगुजा (छत्तीसगढ़)

चार दिनों से लापता अधेड़ का पीपल पेड़ में लटका मिला शव

महिला का तालाब में मिला शव



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जयनगर थाना क्षेत्र के अलग अलग घटित घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई है। जयनगर पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम किया है। पुलिस ने बताया कि जयनगर थाना क्षेत्र के कनकपुर ग्राम निवासी 55 वर्षीय युवक बुधन राम पिता सूरजन राम का शव मंगलवार को कनकपुर जंगल में पीपल पेड़ में फंदे में लटका मिला। बुधन पिछले चार दिनों से लापता था परिजन उसकी तलाश में जुटे थे तभी मंगलवार को उसका शव पीपल पेड़ लटके होने की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे तो उसकी शिनाख्त हुई। दूसरे मामले में केरता पंछी डाड निवासी पिंकी सोनी पति जितेंद्र सोनी 29 वर्ष जो संजयनगर निवासी नेपाल सम्मददार के घर रहकर खेती बा में मजदूरी करती थी मंगलवार को वह पास के तालाब में स्नान करने गई थी जिसमें संदिग्ध परिस्थितियों में डूबकर उसकी मौत हो गई। दोनों मामलों में पीएम पंचनामा उपरांत पुलिस ने मर्ग कायम किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एलिफैंट मूवमेंट कॉशन ऑर्डर में चलाई गई ट्रेनें

★ कबरा हाथी की आवाजाही से ग्रामीणों के साथ रेल और कालरी कर्मियों में भी दहशत

★ रातभर में 50 किलोमीटर का सफर तय कर पहुंच रहा हाथी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सूरजपुर जिले में हाथियों की लगातार आवाजाही को देखते हुए रेलवे प्रशासन भी सतर्कता बरत रहा है। सोमवार को कबरा हाथी के रेलवे ट्रैक से लगे कुमदा-करमपुर नर्सरी तक पहुंचने की सूचना वन अमले से मिलने के बाद रेल प्रशासन ने अंबिकापुर-अनूपपुर रेलखंड पर चलने वाली यात्री एवं मालगाड़ियों को एलिफैंट मूवमेंट कॉशन ऑर्डर के तहत कम रफ्तार से चलाया, ताकि ट्रैक पार करने के दौरान हाथियों को किसी तरह का नुकसान न पहुंचे।

बता दें कि वर्तमान में जिले में कबरा हाथी के आक्रामक हो जाने से दहशत का माहौल है। पखवाड़ेभर के भीतर कबरा हाथी आधा दर्जन ग्रामीणों को मौत के घाट उतार चुका है, जबकि गत अप्रैल माह से अब तक हाथियों के हमले में मृतकों का आंकड़ा दर्जन पार कर चुका है। हाथियों की मौजूदगी की सूचना पर वन अमले द्वारा मुनादी कराए जाने के बावजूद ग्रामीण हाथियों को देखने के लिए घरों से बाहर निकल जाते हैं। इस दौरान ग्रामीणों की भीड़ हाथियों के पीछे चलती है। उन पर पत्थर बरसाने और सामने जाकर आवाज निकालने जैसी हरकतों से हाथी और आक्रामक हो रहे हैं तथा ग्रामीणों पर हमला कर रहे हैं।

रातभर में 50 किलोमीटर का सफर तय कर रहा हाथी

कल्याणपुर, अखोरा और सोनगरा होते हुए कबरा हाथी कुमदा-गांगीकोट पहुंचा। शाम ढलते ही रात में अंबिकापुर-अनूपपुर रेलवे ट्रैक को तेलईकछार के पास पार कर कंदरई पहुंच गया। यहां एक ग्रामीण को मौत के घाट उतारने के बाद हाथी महंगई होते हुए प्रेमनगर पहुंच गया। इस तरह हाथी रातभर में करीब 50 किलोमीटर का सफर तय कर रहा है।

हाथी की तलाश में वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी पूरी रात उसके पैरों के निशान तलाशते हुए पीछे-पीछे कंदरई पहुंचे, लेकिन वन अमले के पहुंचने से पहले ही हाथी एक ग्रामीण को अपनी चपेट में ले चुका था। वन विभाग अब आक्रामक हाथी को ट्रैंकुलाइज कर कॉलर आईडी पहनाने के लिए शासन स्तर पर प्रयास किए जाने की बात कह रहा है। फिलहाल हाथी के प्रेमनगर क्षेत्र में मौजूद होने के कारण वन अमला प्रेमनगर सहित आसपास के गांवों में लोगों को अलर्ट कर रहा है। ग्रामीणों से हाथी के नजदीक नहीं जाने और रात में घरों से बाहर निकलने से परहेज करने की अपील की जा रही है। डीएफओ सहित पूरा वन अमला हाथी की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है, लेकिन हाथी लगातार अपनी लोकेशन बदलकर वन अमले को छका रहा है।



ग्रामीणों के साथ रेल और कालरी कर्मियों में भी दहशत

हाथियों की लगातार आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है। फसलों की रखवाली के लिए रात में खलिहान और घरों के आंगन में सोने वाले ग्रामीणों को हाथियों के हमले का डर सता रहा है। वहीं रेलवे में रात के समय ट्रैक पेट्रोलिंग करने वाले कर्मचारी और एसईसीएल के रात्रि पाली में ड्यूटी करने वाले कर्मी भी हाथियों के खौफ के बीच काम करने को मजबूर हैं। ड्यूटी के लिए रात में घर से निकलने वाले कर्मचारियों को अपनी जान-माल की चिंता सता रही है। वहीं उनके परिजन भी अनहोनी की आशंका से खासे चिंतित हैं। हाथियों की लगातार बदलती लोकेशन और आक्रामक व्यवहार ने अब ग्रामीणों के साथ रेल एवं कालरी कर्मियों की चिंता भी बढ़ा दी है।

वृद्ध की मौत पर अजजा आयोग के पूर्व अध्यक्ष व जिलाध्यक्ष ने परिवार को बंधाया ढांढस



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत कंदरई के टूरीपतरा गांव में एक वृद्ध को जंगली हाथी के कुचलने से हुए मौत पर आज अजजा आयोग के पूर्व अध्यक्ष व कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। साथ ही शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने प्रयास किए जाने की बात कही। गौरतलब है कि सोमवार की रात ग्राम पंचायत कंदरई टूरीपतरा निवासी करीब 55 वर्षीय बिशन राम पिता गुठ्ठाल राम बिंझिया की कबरा कान हाथी ने कुचलकर रौंद दिया था, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। मामले में बुधवार को अजजा आयोग के पूर्व अध्यक्ष भानू प्रताप सिंह एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष शशि सिंह ने पीड़ित परिवार से अलग अलग मुलाकात कर ढांढस बंधाया। कांग्रेस पदाधिकारियों ने पीड़ित परिवार को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने हर संभव प्रयास किए जाने आश्वस्त किया है। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत सदस्य नरसिंह नारायण सिंह, सुनील कुमार सारथी, जनपद सदस्य घुलन सिंह, माखन जायसवाल, रूपदास महंत, वेद प्रकाश मिश्रा, लिवनेश पावले, समीर सिंह, सुंदर दास व अन्य उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि परिवार में अब कोई कमाऊ सदस्य नहीं बचा है। महज एक महीने पहले ही बीमारी से बेटे की मौत हो चुकी थी। अब घर में सिर्फ सास, बहु और मासूम बच्चे ही रह गए हैं, जिनके पास न कोई सहारा है और न भविष्य की कोई ठोस उम्मीद दिखाई पड़ रही है। लोगो ने प्रशासन से अपेक्षा की है कि वह जल्द से जल्द मुआवजा और अन्य सहायता प्रक्रिया शुरू करें, ताकि इस टूटे हुए परिवार को थोड़ी राहत मिल सके।

जिले में 133 पटवारी हड़ताल पर, नियमानुसार कार्रवाई जारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में पटवारी 13 अक्टूबर 2026 से हड़ताल पर हैं। भू-अभिलेख शाखा से मिली जानकारी के अनुसार जिले में पटवारियों के 200 स्वीकृत पदों में से 150 पद भरे हुए हैं।

इनमें से 133 पटवारी हड़ताल पर हैं, जबकि 17 पटवारी हड़ताल में शामिल नहीं हुए हैं और अपने कार्य पर उपस्थित हैं। हड़ताल पर गए सभी 133 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। नोटिस के बाद अब तक किसी पटवारी ने कार्यभार ग्रहण नहीं किया है। प्रशासन ने नियमानुसार 128 पटवारियों के विरुद्ध ब्रेक इन सर्विस की कार्रवाई की है और हड़ताल के दौरान 14 पटवारियों को निलंबित किया गया है। इसके अलावा 3 पटवारी हड़ताल शुरू होने से पहले से निलंबित हैं। हड़ताल पर गए पटवारियों को अक्टूबर 2026 का वेतन भुगतान नहीं किया गया है।

भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल ने रचा उत्कृष्टता का नया इतिहास, आठ वर्षों में प्राइम रेल उत्पादन 147 प्रतिशत बढ़ा

रायपुर, (एजेंसी)। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) की यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) ने तकनीकी दक्षता, नवाचार और निरंतर सुधार के बल पर परिचालन उत्कृष्टता की नई मिसाल कायम की है। दिसंबर 2016 में उत्पादन प्रारंभ करने वाली इस अत्याधुनिक मिल ने पिछले कुछ वर्षों में न केवल अपनी उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि की है, बल्कि देश के रेल अवसंरचना विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उत्पादन के शुरुआती दौर में मिल के युवा कर्मियों के सामने ऊंचे तकनीक पर आधारित उपकरणों के संचालन और रखरखाव की कई चुनौतियां थीं। उपकरणों में खराबी, रोलिंग संबंधी कठिनाइयों, गुणवत्ता संबंधी समस्याओं और प्रक्रिया की बाधाओं के बावजूद टीम ने इन चुनौतियों को सीखने, नवाचार और तकनीकी सुधार के अवसरों में बदला। व्यवस्थित शॉप-फ्लोर समस्या समाधान और निरंतर तकनीकी हस्तक्षेप के माध्यम से परिचालन दक्षता, प्रक्रिया स्थिरता और उत्पाद गुणवत्ता में लगातार सुधार किया गया।

इस दिशा में फर्नेस, मिल, कूलिंग बेड और फिनिशिंग क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए। फर्नेस संचालन एवं ब्लूम स्पेसिंग का अनुकूलन, रोल की गुणवत्ता और कूलिंग व्यवस्था में सुधार, गाइड एवं स्ट्रेटनिंग मशीनों में आवश्यक संशोधन तथा स्वचालित ऑनलाइन रेल पहचान मुद्रण प्रणाली की शुरुआत से उत्पादन प्रक्रिया अधिक प्रभावी और विश्वसनीय बनी। इसके साथ ही री-फिनिशिंग कॉम्प्लेक्स का विकास एवं कमीशनिंग मिल की फिनिशिंग क्षमता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण साबित हुआ। रेल वेल्डिंग लाइन में किए गए तकनीकी सुधारों से 260 मीटर लंबे वेल्डेड रेल पैनल के उत्पादन को भी बढ़ावा मिला। यूनिवर्सल रेल मिल की उपलब्धियां इसके उत्पादन और गुणवत्ता के आंकड़ों में स्पष्ट दिखाई देती हैं। वित्त वर्ष 2018-19 में जहां प्राइम रेल का उत्पादन लगभग 3.69 लाख टन था, वहीं वित्त वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 9.11 लाख टन हो गया। इस अवधि में प्राइम रेल की स्वीकृति दर भी 85 प्रतिशत से बढ़कर 96 प्रतिशत तक पहुंच गई। इसी तरह कुल उत्पादन में 130 मीटर लंबी रेल की हिस्सेदारी 12.59 प्रतिशत से बढ़कर 73.87 प्रतिशत हो गई। ये आंकड़े मिल की बेहतर परिचालन क्षमता, तकनीकी परिपक्वता और गुणवत्ता नियंत्रण में हुए उल्लेखनीय सुधार को दर्शाते हैं।



इस परिवर्तनकारी यात्रा में कर्मियों की तकनीकी दक्षता और अनुभव का विकास भी अहम रहा है। नियमित तकनीकी सत्रों, ज्ञान के आदान-प्रदान, आंतरिक तकनीकी संशोधनों और मजबूत निवारक रखरखाव प्रणाली ने मिल में नवाचार तथा निरंतर सीखने की संस्कृति को बढ़ावा दिया है। कर्मियों के सामूहिक प्रयासों से न केवल उपकरणों की विश्वसनीयता बढ़ी, बल्कि जटिल परिचालन समस्याओं के प्रभावी समाधान की क्षमता भी विकसित हुई।

अब तक लगभग एक लाख किलोमीटर लंबी रेल का प्रेषण कर चुकी यूनिवर्सल रेल मिल भारतीय रेल अवसंरचना को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसकी उपलब्धियां आधुनिक तकनीक, कर्मियों की विशेषज्ञता, सामूहिक प्रतिबद्धता और निरंतर सुधार के समन्वय का परिणाम हैं। पिछले वर्षों में मिल ने यह साबित किया है कि तकनीकी चुनौतियों को अवसरों में बदलने की क्षमता ही औद्योगिक उत्कृष्टता और दीर्घकालिक सफलता का आधार है।

ट्रांसफार्मर का क्वाइल खोल ले गए चोर, हथियारबंद जवानों की उपयोगिता पर सवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के खदानों वर्कशॉप से कोयला,केबल कबाड़ चोरी का मामला थमता नहीं दिख रहा। ताजा मामला कोतवाली थाना सूरजपुर के क्षेत्राधिकार में संचालित गायत्री खदान का है जहां दीपावली के एक दिवस पूर्व क्षेत्र के सक्रिय चोर गिरोह के सदस्यों ने खदान में धावा बोलकर सबस्टेशन के पास रखे पचास किलोवॉट के ट्रांसफार्मर के भीतर से कॉपर क्वाइल निकाल पार कर दिया। चोरी गए कॉपर क्वाइल की कीमत चालीस हजार से ऊपर की बताई गई है। बताया जाता है कि उक्त ट्रांसफार्मर खदान के सब स्टेशन के पास अतिरिक्त ट्रांसफार्मर के रूप में रखा हुआ था जिस पर चोरों की नजर थी। दीपावली के एक दिवस पूर्व रात्रि में। चोरों ने खदान के चाहर दिवारी के भीतर प्रवेश कर बड़े आराम से ट्रांसफार्मर को खोला और उसके भीतर पड़े कॉपर क्वाइल को निकाल भाग निकले। सुबह खदान प्रबंधन को मामले की सूचना मिली जिसके बाद सुरक्षा कर्मी चमरू राम को मामले लिखित शिकायत के साथ प्रबंधन ने कोतवाली थाने भेजा यहां कर्मचारियों ने अभी साहब नहीं है कह कर सुरक्षा कर्मी से आवेदन रख लिया और कहा कि साहब आएंगे तो आवेदन की पावती मिलेगी। दूसरी ओर पुलिस इस मामले की जानकारी से ही इंकार कर रही है जिससे समझा जा सकता है कि राष्ट्रीय संपति की चोरी के मामले में पुलिस प्रशासन और कंपनी प्रबंधन का रवैया कैसा है।

माइनिंग अधिकारी से सुरक्षा अधिकारी का करा रहे कार्य

बता दें कि एसईसीएल में लंबे समय से क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी का कार्य माइनिंग अधिकारी सहित पर्सनल अधिकारियों से कराया जा रहा है इसके पीछे मुख्य कारण कंपनी स्तर पर सुरक्षा अधिकारियों की कमी होना बताया जा रहा है। माइनिंग अधिकारी से सुरक्षा का कार्य लेने से अधिकारी भी दबाव में कार्य करते है और वे समय पर ठोस निर्णय नहीं ले पाते।दूसरे कैडर के अधिकारी होने के कारण सुरक्षा कर्मी भी उन्हें विशेष तवज्जो नहीं देते परिणामस्वरूप खदान क्षेत्रों में अपराधिक घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। मामला खदानों से केबल कबाड़ कोयला चोरी हो या फिर खदान क्षेत्रों से पेड़ कटाई अथवा क्वॉर्टर कब्जा ,लीज भूमि पर अतिक्रमण के रोज मामले सामने आ रहे हैं और विवाद से बचने के कारण माइनिंग कैडर के प्रभारी सुरक्षा अधिकारी मुंह बंद कर तमाशा देख रहे। सबसे बड़ी बात क्षेत्र में तैनात हथियार बंद त्रिपुरा राइफल के जवानों से कार्य लेने की है। बताया जाता है कि त्रिपुरा राइफल के जवान पोस्ट पर रात्रि ड्यूटी करने से इंकार कर दे रहे जिससे मजबूर होकर प्रबंधन उनसे आपात स्थितियों में चार पहिया वाहनों से पेट्रोलिंग करा रहा है ।

पोस्ट में ड्यूटी नहीं करने से रोजाना खदानों से बड़ी मात्रा में कोयला,केबल कबाड़ की चोरी हो रही है जिससे प्रबंधन को हर माह मोटी चपत लग रही है। ऊपर से हथियार बंद जवानों के वेतन सहित खाने पीने और अन्य भत्तों में हर माह एक से डेढ़ करोड़ अलग फूक रही है। इस संबंध में क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ संजय कुमार सिंह ने कहा कि खदानों से हो रही चोरी की घटनाओं में ड्रग्स एडिक्ट लोग शामिल हैं जो नशे की जरूरत पूरा करने किसी भी स्तर के क्राइम करने से नहीं चूकते। उन्होंने कहा कि सुरक्षा कैडर के अधिकारी नहीं है तो किसी से काम तो लेना ही पड़ेगा इसलिए माइनिंग अधिकारी को क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है।

पांच किलो का टिफिन बम बरामद, सुरक्षा बलों ने मौके पर किया निष्क्रिय

बीजापुर, (एजेंसी)। जिले में सुरक्षा बलों ने माओवादियों की एक बड़ी साजिश को नाकाम करते हुए करीब 5 किलोग्राम वजन का टिफिन प्रेशर आईईडी बरामद कर सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया। यह विस्फोटक करकेली से बेदरे जाने वाले मार्ग पर सड़क किनारे स्थित कच्ची पगडंडी में लगाया गया था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, माओवादियों ने पूर्व में इस मार्ग पर टिफिन बम लगाया था। इसकी जानकारी मिलने पर बीडीएस (बम निरोधक दस्ता) और थाना बेदरे के जवान मौके पर पहुंचे। सुरक्षा बलों ने निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते हुए डीमाइनिंग कार्रवाई की और विस्फोटक को सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया। जांच में सामने आया कि करीब 5 किलोग्राम वजनी यह आईईडी प्रेशर स्विच सिस्टम से लगाया गया था। समय रहते विस्फोटक बरामद होने और उसे निष्क्रिय किए जाने से मार्ग पर संभावित खतरे को टाल दिया गया।



फोटोकॉपी दुकान में नकबजनी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, मोबाइल और नकदी बरामद

जांजगीर-चांपा, (एजेंसी)। अकलतरा में फोटोकॉपी दुकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी दुकान से नकदी, सिक्के और मोबाइल फोन चोरी कर ले गया था। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी का मोबाइल, 3403 रुपये के सिक्के व नकदी तथा घटना में इस्तेमाल स्टील का चाकू बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, अधियारीपाठ निवासी भोलामणी चक्रधारी की अकलतरा स्थित नेहा फोटोकॉपी दुकान में चोरी की घटना हुई थी। दुकानदार 7 नवंबर की रात दुकान बंद कर घर चला गया था। अगले दिन सुबह दुकान खोलने पर सामान बिखरा मिला। जांच करने पर गल्ले से करीब 30 हजार रुपये नकद और सिक्के तथा रेडमी नोट 9 प्रो मोबाइल गायब मिला। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे को भी क्षतिग्रस्त किया गया था। इसके बाद प्रार्थी ने अकलतरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

मामले में पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. युलेन्डन यार्क के मार्गदर्शन में अकलतरा पुलिस ने जांच शुरू की। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने पर संदेही की पहचान की गई। इसके आधार पर पुलिस ने यादव मोहल्ला, अकलतरा में दबिश देकर प्रभात उर्फ भोलू यादव (22 वर्ष) को हिरासत में लिया।

पूछताछ में आरोपी ने दुकान के पीछे के रास्ते से अंदर प्रवेश कर चोरी करना स्वीकार किया। उसने दराज में रखे थैले से नकदी, 10, 5, 2 और 1 रुपये के सिक्कों का थैला तथा मोबाइल फोन चोरी करने की जानकारी दी।

आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने उसके घर से चोरी किया गया रेडमी मोबाइल, सिक्कों सहित कुल 3403 रुपये की नकदी और वारदात में इस्तेमाल स्टील का सब्जी काटने वाला चाकू जब्त किया। आरोपी की पहचान प्रभात यादव उर्फ भोलू, पिता सीताराम यादव, निवासी वार्ड क्रमांक 11, यादव मोहल्ला, अकलतरा के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) और 305(ए) के तहत कार्रवाई करते हुए 11 नवंबर को गिरफ्तार किया। कार्रवाई में निरीक्षक जय कुमार साहू, प्रशिक्षु उप निरीक्षक नितिन चंद्रवंशी, प्रधान आरक्षक वेंकट रमन पाटले तथा आरक्षक शेष नारायण साहू और शैलेन्द्र राठौर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

चल विग्रह उत्सव डोली का मंदिर में प्रवेश

आज भाई दूज पर बंद होंगे बाबा केदारनाथ और यमुनोत्री मंदिर के कपाट

एजेंसी ▶▶ रुद्र प्रयाग

केदारनाथ मंदिर के कपाट बंद होने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मंगलवार को आज बाबा केदार की चल विग्रह उत्सव डोली ने मंदिर में प्रवेश किया। बुधवार सुबह 8:30 बजे मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। कपाट बंद होने के बाद बाबा केदार की डोली शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ के लिए रवाना होगी। कपाट बंद होने के कार्यक्रम को देखते हुए जिलाधिकारी विशाल मिश्रा मंगलवार को केदारनाथ धाम पहुंचे। उन्होंने मंदिर परिसर और आसपास की व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों से साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत, आवास और स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी लेते हुए जरूरी निर्देश दिए।

कपाट बंद होने के बाद बाबा की डोली शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ के लिए रवाना होगी

बुधवार सुबह 8:30 बजे बंद होंगे केदारनाथ के कपाट | **पूजा-अर्चना बाद यमुनोत्री मंदिर में सुबह 10:28 बजे कपाट बंद**

सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के पुख्ता इंतजाम किए गए



बाबा केदारनाथ की डोली

श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए पुलिस विभाग की ओर से सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के इंतजाम किए गए हैं। स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन, लोक निर्माण, पेयजल, विद्युत और नगर निकाय सहित संबंधित विभागों को भी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन और पुलिस की ओर से कपाट बंद होने के कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की तैयारियां की जा रही हैं।

विधि-विधान के साथ मां यमुना की होगी विशेष पूजा

भाई दूज के पावन पर्व पर बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच विश्व प्रसिद्ध यमुनोत्री धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। यमुनोत्री मंदिर समिति के अनुसार, बुधवार 11 नवंबर 2026 को शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि, अनुराधा नक्षत्र, सौम्य योग और धनु लग्न में सुबह 10:28 बजे कपाट बंद करने का मुहूर्त निर्धारित किया गया है। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ मां यमुना की विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी।



यमुनोत्री धाम

छह माह खरसाली में होगी मां यमुना की पूजा

इसके साथ ही छह माह तक चलने वाली शीतकालीन पूजा-अर्चना का क्रम मां यमुना के मायके खरसाली स्थित यमुना मंदिर में शुरू हो जाएगा। मंदिर समिति के सचिव सुनील उनियाल एवं प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल ने बताया कि कपाट बंद होने के बाद मां यमुना की उत्सव डोली सोमेश्वर महाराज की अगुवाई में पारंपरिक वाद्ययंत्रों और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ अपने शीतकालीन प्रवास खरसाली के लिए रवाना होगी।

बंद हुए गंगोत्री मंदिर के कपाट

विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री धाम के कपाट मंगलवार को अन्नकूट पर्व एवं गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर अभिजीत मुहूर्त में दोपहर 12 बजकर 05 मिनट पर वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ छह माह के शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। कपाट बंद होने के बाद मां गंगा की भोग मूर्ति उत्सव डोली में विराजमान होकर खेवा के बीड़ और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मधुर धुनों के बीच अपने शीतकालीन प्रवास मुखबा गांव के लिए रवाना हुई। अब आगामी छह माह तक श्रद्धालु मां गंगा के दर्शन उनके शीतकालीन प्रवास मुखबा स्थित मुखीमठ में कर सकेंगे। गंगोत्री धाम के तीर्थ पुरोहित राजेश सेमवाल ने बताया कि मां गंगा की उत्सव डोली रात्रि विश्राम के लिए मंगलवार को मार्कंडेयपुरी देवी मंदिर में ठहरी। यहां रातभर भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान हुए। इसके बाद बुधवार को डोली मुखबा गांव पहुंचेगी, जहां अगले छह माह तक मां गंगा की पूजा-अर्चना और दर्शन होंगे।

खबर संक्षेप

हुआंग की 69.5 हजार करोड़ दौलत घटी

वॉशिंगटन। एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग की संपत्ति में एक ही दिन में 7.4 अरब डॉलर (69.5 हजार करोड़ रुपए) की गिरावट आई है। कंपनी के शेयरों में दबाव के बीच उनकी कुल संपत्ति घटकर 154.7 अरब डॉलर (14.53 लाख करोड़ रुपए) रह गई। वह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में आठवें स्थान से फिसलकर दसवें स्थान पर पहुंच गए हैं। हुआंग के खिलाफ प्रस्तावित क्लास एक्शन मुकदमा दायर किया गया है। आरोप है कि कंपनी और हुआंग ने शेयरधारकों को गुमराह किया।



ब्रिटिश लेखक हैरिसन को मिला बुकर अवार्ड

पेरिस। ब्रिटिश लेखक एम जॉन हैरिसन ने 81 साल की उम्र में साहित्य की दुनिया का प्रतिष्ठित बुकर पुरस्कार 2026 जीत लिया है। उन्हें यह सम्मान उनके उपन्यास 'द एंड ऑफ एवरीथिंग' के लिए दिया गया है। इस साल शामिल छह उपन्यासों में यह सबसे छोटा था। इसमें केवल 198 पन्ने हैं। करीब 60 साल से लेखन कर रहे हैरिसन अब बुकर पुरस्कार जीतने वाले सबसे उम्रदराज लेखक बन गए हैं। हैरिसन को यह पुरस्कार सोमवार रात लंदन में आयोजित समारोह में दिया गया।



ऑस्ट्रेलिया में मेयर बने अभिषेक अवस्थी

विक्टोरिया। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के निवासी अभिषेक अवस्थी ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य के ग्रेटर बेंडिगो शहर में डिप्टी मेयर की जिम्मेदारी संभालने के बाद अब वह मेयर बन गए हैं। इसके साथ ही वह इस शहर के महापौर बनने वाले पहले मूल भारतीय बन गए हैं। 9 नवंबर को ग्रेटर बेंडिगो स्थित द कैपिटल थिएटर में आयोजित समारोह में अभिषेक अवस्थी ने मेयर पद की शपथ ली। उन्होंने आधिकारिक रूप से कार्यभार संभाल लिया। उनका कार्यकाल एक वर्ष का रहेगा।



रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवाएगा भारत, संवाद और शांति का रास्ता खोलने की कोशिश कर रहा

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति जेलेंस्की से की बात हर संभव सहायता देने का फिर दिया भरोसा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत इस पूरी प्रक्रिया में अमेरिका को भी लगातार जानकारी दे रहा | **दोनों देशों को आपसी रूप से लाभ पहुंचाने पर हुई बातचीत**

रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से जारी युद्ध को खत्म कराने की कोशिशों में भारत एक बार फिर सक्रिय नजर आ रहा है। एक तरफ पीएम नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से फोन पर बातचीत की, तो दूसरी तरफ विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से संपर्क साधा। इन दोनों कूटनीतिक बातचीत को काफी अहम माना जा रहा है।

इससे संकेत मिल रहे हैं कि भारत दोनों देशों के बीच संवाद और शांति का रास्ता खोलने की कोशिश कर रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से फोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने जारी संघर्ष पर चर्चा की। भारत और यूक्रेन के संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जताई। उन्होंने आगे लिखा कि जारी संघर्ष, इसके मानवीय पहलुओं और शांति बहाल करने के लिए किए जा रहे अलग-अलग प्रयासों पर अपना नजरिया साझा करने के लिए मैंने राष्ट्रपति जेलेंस्की का धन्यवाद किया। शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में हरसंभव तरीके से योगदान देने की भारत की मजबूत प्रतिबद्धता दोहराई।

आपसी सहयोग और मजबूत करेंगे



राष्ट्रपति जेलेंस्की और पीएम मोदी फाइल फोटो

बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने भारत के 'मानव-केंद्रित दृष्टिकोण' को दोहराया। उन्होंने कहा कि भारत का लगातार यही रुख रहा है कि इस संघर्ष का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिये होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान निकालने के लिए होने वाले हर प्रयास में भारत योगदान देने को तैयार है। बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने अलग-अलग क्षेत्रों में भारत और यूक्रेन के बीच आपसी सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर भी चर्चा की। इसका मकसद दोनों देशों के लोगों को आपसी रूप से लाभ पहुंचाना है।

शांतिपूर्ण समाधान के लिए तैयार भारत

फोन पर बातचीत के बाद पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ फोन पर उपयोगी बातचीत करके खुशी हुई। हमने

भारत मध्यस्थता के लिए तैयार

बातचीत के बाद जेलेंस्की ने कहा कि कहा कि खाद्य सुरक्षा ऐसा ही एक क्षेत्र हो सकता है। हमने काला सोंगर के रास्ते अनाज के निर्यात को रूस की ओर से रोके जाने पर चर्चा की। भारत खाद्य गलियारे बनाने में मध्यस्थता करने के लिए तैयार है। हम उम्मीद करते हैं कि ये प्रयास जारी रहेंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि रूस को समझाना चाहिए कि समुद्री रास्ते बंद होने से वैश्विक अर्थव्यवस्था और दुनिया भर के करोड़ों लोग प्रभावित हो रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा, हम इस बात पर सहमत हुए कि हमारी टीमें इस और दूसरे द्विपक्षीय मुद्दों पर संपर्क में रहेंगी।

जयशंकर ने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से की बात

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार शाम रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से फोन पर बातचीत की। इस दौरान यूक्रेन संघर्ष और युद्ध समाप्त करने के लिए जारी कूटनीतिक पहलों पर विस्तार से चर्चा हुई। जयशंकर ने 'एक्स' पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि रूसी विदेश मंत्री के साथ उनकी बातचीत का मुख्य केंद्र यूक्रेन संघर्ष और उससे जुड़े मौजूदा कूटनीतिक प्रयास रहे। जयशंकर ने बताया था कि पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ दिल्ली और उससे पहले बिश्केक में बातचीत की थी। इसके अलावा, वह स्वयं पहले मॉस्को जा चुके हैं और रूसी विदेश मंत्री लावरोव के साथ लगातार संपर्क में हैं। विदेश मंत्री के अनुसार, भारत इस पूरी प्रक्रिया में अमेरिका को भी लगातार जानकारी दे रहा है। उन्होंने कहा था कि अमेरिकी प्रशासन अपनी ओर से शांति मध्यस्थता की पहल कर रहा है और विदेश मंत्री मार्को रुबियो को भारत की ओर से किए जा रहे प्रयासों की जानकारी है। भारत का उद्देश्य विभिन्न पक्षों के साथ संपर्क बनाए रखते हुए ऐसे व्यावहारिक रास्ते तलाशना है, जिनसे युद्ध के प्रभावों को कम किया जा सके।

तुर्किये की स्टील फैक्ट्री में धमाका

17 की मौत, 12 घायल, 6 अरेस्ट राष्ट्रपति ने जांच के दिए आदेश

एजेंसी ▶▶ अंकारा

तुर्किये के पश्चिमी हिस्से में सोमवार को एक स्टील प्लांट में भीषण धमाका होने से 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य घायल हो गए। घायलों में 2 की हालत गंभीर बताई जा रही है। धमाके के बाद प्लांट में भीषण आग लग गई और आसमान में धुएं का गुबार उठने लगा। हादसा इजमिर प्रांत के अलियागा में स्थित हबासेस (एचएचबीएएस) आयरन एंड स्टील प्लांट में हुआ। यह फैक्ट्री हबासेस डेमिर सेलिक कंपनी की है, जो तुर्किये की बड़ी स्टील कंपनियों में शामिल है। धमाका इतना तेज था कि आसपास मौजूद लोगों को भूकंप जैसा झटका महसूस हुआ। घटना के बाद आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के साथ बचाव अभियान शुरू किया। स्थानीय गवर्नर सुलेमान एल्बान ने बताया कि हादसा दोपहर करीब 12 बजे हुआ। प्लांट में एक बॉयलर बदलने का काम चल रहा था। इसी दौरान एक क्रेन भट्ठी में गिर गई। इसके कारण पास की स्टील मिल में जोरदार धमाका हो गया।



तुर्किये की स्टील फैक्ट्री में धमाका

राहत और बचाव कार्य जारी

एल्बान ने कहा कि कुछ लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है। हादसे के समय 300 कर्मचारियों की जगह करीब 200 कर्मचारी थे। राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने कैबिनेट बैठक के बाद हादसे में हुई मौतों की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और बचाव दल लगातार राहत और बचाव के काम में जुटे हैं। धमाके की व्यापक और प्रशासनिक जांच शुरू कर दी गई है। एर्दोगन ने कहा कि यह दुखद घटना पूरे देश के लिए गहरे दुख का कारण बनी है। उन्होंने मरहूम बिलाया कि हादसे की वजह, परिस्थितियों और इसमें किसी की लापरवाही या जिम्मेदारी की पूरी जांच की जाएगी।

कई घायल अस्पताल में भर्ती

गृह मंत्री मुस्तफा पिक्तली ने बताया कि आपातकालीन टीमें आग बुझाने और हताहतों की तलाश में जुटी रहीं। उन्होंने कहा कि घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है और उनके स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा रही है। व्याय अंकारा अतिक गुरलेक ने बताया कि मामले की जांच के लिए चार सरकारी अभियोजकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। धमाके के सिलसिले में 6 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

रिजिजू ने सऊदी में किए हस्ताक्षर

हज-2027 के लिए भारत का कोटा 1,75,025 तय

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 6 से 9 नवंबर 2026 तक सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा की। इस दौरान भारत और सऊदी अरब ने हज-2027 की तैयारियों की समीक्षा की और भारतीय हज यात्रियों के लिए सुरक्षित, सुगम तथा आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने पर सहमति जताई।

दोनों देशों के बीच हज-2027 के लिए द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर भी किए गए। इसके तहत भारत का हज कोटा 1,75,025 निर्धारित किया गया है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव (हज) और हज कमेटी ऑफ इंडिया के सीईओ शामिल रहे। 9 नवंबर को रिजिजू ने जेद्दा सुपरडोम में सऊदी अरब के हज और उमराह मंत्री डॉ. तौफीक बिन फवजान अल-रबियाह के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसमें सऊदी अरब में भारत के राजदूत और संयुक्त सचिव (हज) भी शामिल हुए। बैठक में हज-2027 की तैयारियों की समीक्षा की गई।



किरेन रिजिजू और डॉ. तौफीक

इजराइली राष्ट्रपति ने आइजेनकोट को चुना

नई सरकार बनाने 28 दिन की दी मोहलत, सियासी जोड़तोड़ तेज

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने रविवार (8 नवंबर) को सरकार गठन को लेकर फैसला लिया। उन्होंने आइजेनकोट को नई सरकार बनाने का आधिकारिक जिम्मा सौंपा। इसके लिए उन्हें 28 दिन का समय दिया गया है। जरूरत पड़ने पर राष्ट्रपति उन्हें 14 दिन का अतिरिक्त समय भी दे सकते हैं। नई सरकार बनाने के लिए संसद में 120 में से कम से कम 61 सदस्यों का समर्थन जरूरी है।

इजराइल में नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। पूर्व सेना प्रमुख और विपक्षी नेता गादी आइजेनकोट ने पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के सहयोगी दलों से संपर्क कर अपनी सरकार में शामिल होने का न्योता दिया है। आइजेनकोट ने अपनी पार्टी याशर के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन की ओर से नेतन्याहू की लिकुड पार्टी और वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच की दक्षिणपंथी पार्टी 'रिलीजियस जायोनिज्म' को भी साथ आने का प्रस्ताव दिया है। हालांकि, उनकी शर्त है कि गठबंधन सरकार का नेतृत्व वह स्वयं करेंगे।



आइजेनकोट और राष्ट्रपति हर्जोग

फ्रांस के विदेश मंत्री बैरोट का ईरान पर बड़ा आरोप

सुपरमार्केट के फ्रिज-फ्रीजर हैक किए प्रतिबंध लगाने की दी कड़ी चेतावनी

एजेंसी ▶▶ पेरिस

फ्रांस ने ईरान को साइबर हमले के लिए कड़ी कार्रवाई और प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी है। फ्रांस विदेश मंत्री जीन नोएल बैरोट ने मंगलवार को आरोप लगाया कि ईरान की सेना की एक साइबर यूनिट ने अक्टूबर में देश के 700 सुपरमार्केट को निशाना बनाया था। हैकर्स ने दुकानों के फ्रिज और फ्रीजर का सिस्टम हैक कर उनका तापमान बढ़ा दिया था।

इससे खाने-पीने का सामान खराब हो गया और दुकानदारों को बड़ी मात्रा में सामान फेंकना पड़ा। बता दें, फ्रांस में 11 और 12 अक्टूबर को हुए साइबर हमले में सुपरमार्केट के फ्रिज-फ्रीजर सिस्टम हैक किए गए थे।



आईआरजीसी के खिलाफ जांच शुरू

फ्रांस के सरकारी वकील लॉर बेकुऊ ने ईरान की सेना इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की साइबर यूनिट शहिद कावेह के खिलाफ जांच शुरू की है। इसी यूनिट पर हमले के पीछे होने का आरोप है। इस यूनिट से जुड़े दो अधिकारियों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट जारी करने की मांग भी की है।

जवाबी कार्रवाई के सभी विकल्प खुले

बैरोट ने कहा कि ईरान के राजदूत को तलब किया जाएगा। फ्रांस इस मामले में यूरोपीय संघ (ईयू) से ईरान पर प्रतिबंध लगाने की मांग भी करेगा। उन्होंने कहा कि फ्रांस जवाबी कार्रवाई के सभी विकल्प खुले रखेगा। इसमें ऐसे कदम भी शामिल हैं, जिनकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाएगी। बैरोट ने कहा कि फ्रांस का मकसद ईरान या किसी दूसरे देश को भविष्य में ऐसे हमले करने से रोकना है। उन्होंने इस हमले को फ्रांस की धरती पर अब तक का सबसे बड़ा और आक्रामक साइबर हमला बताया।

ईरान युद्ध पर ट्रंप का यू-टर्न

कतर के पीएम थानी से मुलाकात बाद बोले- हमले की जरूरत नहीं

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

ईरान के साथ आठ महीने से जारी युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि सैन्य रूप से ईरान के खिलाफ लड़ाई प्रभावी तौर पर खत्म हो चुकी है लेकिन अमेरिकी सेना अलर्ट पर रहेगी। फिलहाल अमेरिका मौजूदा स्थिति बनाए रखना चाहता है और दोबारा बड़े हमले करने की जरूरत नहीं दिख रही है। ट्रंप ने सोमवार को कतर के पीएम शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासिम अल थानी से मुलाकात के बाद कहा कि ईरान सैन्य रूप से प्रभावी तौर पर खत्म हो चुका है। हम फिलहाल



डोनाल्ड ट्रंप और शेख अल थानी

मौजूदा स्थिति बनाए रख रहे हैं। ईरान का नेतृत्व बुरी तरह कमजोर हुआ है। हालांकि, अमेरिका की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम लंबे समय तक निष्क्रिय रहे और वह परमाणु हथियार बनाने की स्थिति में न पहुंचे। ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत में सकारात्मक प्रगति हो रही है।

विदेश में अपनों की सुरक्षा संभालेगी बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स

स्पेशल कमांडोज को सीआईएसएफ दे रही विशेष प्रशिक्षण

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आधुनिक सुरक्षा उपकरणों के इस्तेमाल की जानकारी दी

वीवीआईपी सिक्योरिटी और एक्सप्लोसिव ट्रेस डिटेक्टर के बारे में भी ट्रेनिंग दी

विदेशों में रह रहे अपनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ा फैसला लिया गया है। इस फैसले के तहत बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के 50 स्पेशल कमांडोज को विदेश में रह रहे अपनों की हिफाजत के लिए चुना गया है। इन स्पेशल कमांडोज में दो गजेटेड ऑफिसर, 3 सबोर्डिनेट ऑफिसर और 45 अन्य रैंक के अधिकारी शामिल हैं। विदेश में तैनाती से पहले इन स्पेशल कमांडोज को अलग-अलग लेवल पर ट्रेनिंग दी जा रही है। पहले लेवल पर बीएसएफ के ट्रेनिंग सेंटर में उन सभी परिस्थितियों को लेकर ट्रेंड किया गया है, जिनका सामना उन्हें विदेश में करना पड़ सकता है।



सीआईएसएफ के ट्रेनिंग सेंटर में बीएसएफ के 50 स्पेशल कमांडोज

सीआईएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, 28 सितंबर 2026 को शुरू हुई बीएसएफ कमांडोज की प्री-इंडक्शन ट्रेनिंग के दौरान उन्हें वीवीआईपी सिक्योरिटी, एक्सेस कंट्रोल और मॉडर्न इलेक्ट्रॉनिक सिक्योरिटी इक्विपमेंट के इस्तेमाल के बारे में बताया गया है। ट्रेनिंग के दौरान, बीएसएफ कमांडोज को एक्स-रे बैगेज इंस्पेक्शन सिस्टम को ऑपरेट करना और एक्स-रे बैगेज के बारे में बताया गया है। इसके अलावा, हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर (एचएचएमडी) और डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर (डीएफएमडी) के स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर्स के बारे में बताया गया है। साथ ही, बीएसएफ कमांडोज को एक्सप्लोसिव ट्रेस डिटेक्टर (ईटीडी) को इस्तेमाल करने के बारे में भी ट्रेनिंग दी गई है। स्पेशल ट्रेनिंग सेशंस में खेदड़ संवेदनशील डिप्लोमेटिक परिसरों में जनरल एक्सेस कंट्रोल मैनेजमेंट और स्क्रीनिंग प्रोसीजर्स की जानकारी भी दी गई है।

4 सप्ताह की प्री ट्रेनिंग

दूसरे चरण की स्पेशल ट्रेनिंग की जिम्मेदारी केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को सौंपी गई है। सीआईएसएफ की तरफ से 4 सप्ताह की प्री इंडक्शन ट्रेनिंग दी गई। यह ट्रेनिंग बीएसएफ की छावला स्थित 25वीं बटालियन में पूरी की गई है। तीसरे चरण की ट्रेनिंग सीआईएसएफ के नोएडा स्थित स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप और महिपालपुर स्थित एविएशन सिक्योरिटी ग्रुप में ट्रेनिंग दी गई है।

श्रीलंका में भारतीय मिशन में होगी तैनाती

अधिकारी के अनुसार, बीएसएफ की स्पेशल सिक्योरिटी टीम को श्रीलंका में भारतीय मिशन की सुरक्षा पुख्ता करने की जिम्मेदारी दी गई है। इस फैसले के तहत, बीएसएफ के स्पेशल कमांडोज को कोलंबो स्थित हाई कमीशन ऑफ इंडिया और जाफना स्थित कंसुलेट जनरल ऑफ इंडिया में तैनात किया जाएगा। बता दें, बीएसएफ ने सीआईएसएफ से अपने इंस्ट्रक्टर्स और ट्रेनिंग इक्विपमेंट उपलब्ध कराने की रिक्वेस्ट की थी।

चिंतन

कैंसर के खिलाफ जंग को मिली और मजबूती

कैंसर का नाम सुनते ही किसी भी परिवार के सामने सबसे बड़ी चुनौती बीमारी से लड़ने के साथ-साथ इलाज के खर्च का इंतजाम करने की होती है। लंबे समय तक चलने वाला उपचार, महंगी दवाएं और बार-बार अस्पताल के चक्कर मरीज और उसके परिजनों को मानसिक व आर्थिक रूप से तोड़ देते हैं। ऐसे में कैंसर की 137 दवाओं की कीमतों में भारी कटौती का फैसला लाखों मरीजों के लिए राहत की नई उम्मीद लेकर आया है। यह केवल दवाओं के दाम घटने का मामला नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को आम आदमी की पहुंच में लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। दवाओं की कीमतों में कमी से मरीजों को सालाना करीब 3,540 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है। खास बात यह है कि 679 ब्रांड की दवाओं के दाम 50% से अधिक घटाए गए हैं और कुछ दवाओं की कीमतों में 96.45% तक की कमी हुई है। निश्चित रूप से इससे कैंसर के उपचार का आर्थिक बोझ कम करने में मदद मिलेगी। इस फैसले के पीछे न्यायपालिका की सक्रियता, विशेषज्ञों की सिफारिश और सरकार की नियामक व्यवस्था की अहम भूमिका रही है। 22 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कैंसर की दवाओं की खुदरा खरीद कीमत और अधिकतम खुदरा मूल्य के बीच भारी अंतर पर गंभीर सवाल उठाए थे। अदालत ने टिप्पणी की थी कि 2,700 रुपये की दवा मरीज को 27 हजार रुपये में मिलना दिनदहाड़े डकैती और नरसंहार जैसा है। इस टिप्पणी ने दवा कारोबार में मुनाफे और मरीजों के हितों के बीच संतुलन की जरूरत को रेखांकित किया। इसके बाद नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर कंपनियों का व्यापार मार्जिन 30% तय कर दिया। इसी व्यवस्था के तहत कंपनियों ने नई कीमतें लागू की हैं। इस पहल का सकारात्मक पक्ष यह भी है कि कीमतों में कमी का आधार केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि विशेषज्ञों का अध्ययन और सुझाव भी रहे हैं। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के तहत गठित समिति में देशभर के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञों, चिकित्सकों, अस्पतालों के प्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों ने विचार-विमर्श के बाद 137 दवाओं की सिफारिश की। सूची को समय-समय पर अपडेट करने का प्रावधान भी महत्वपूर्ण है। इससे भविष्य में दूसरी जरूरी दवाओं को भी कीमत नियंत्रण के दायरे में लाने का रास्ता खुल सकता है। नई कीमतें सभी मेडिकल स्टोर और अस्पतालों की फार्मेसी तक पहुंचनी चाहिए। मरीजों को पुरानी कीमतों पर दवा बेचने, निर्धारित दर से अधिक वसूली और पुराने स्टॉक के नाम पर मनमानी करने वालों पर सख्ती जरूरी है। इस दिशा में 'फार्मा सही दाम' एप, एनपीपीए की वेबसाइट और 'फार्मा जन समाधान' पोर्टल जैसी सुविधाएं उपयोगी साबित हो सकती हैं। दरअसल, कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के उपचार में दवाओं की नियमित उपलब्धता और उनका उचित मूल्य दोनों जरूरी हैं। केवल कीमत घटाना पर्याप्त नहीं, मरीज को समय पर सही दवा मिलना भी सुनिश्चित करना होगा। सरकार को दवा मूल्य नियंत्रण की व्यवस्था की नियमित समीक्षा करनी चाहिए। दवा कंपनियों के अनुसंधान और उत्पादन को प्रोत्साहन देते हुए मरीजों के हितों की रक्षा के बीच संतुलन बनाना भी जरूरी है। स्वस्थ समाज की नींव तभी मजबूत होगी, जब किसी व्यक्ति की जिंदगी बचाने वाला उपचार उसकी आर्थिक हैसियत का मोहताज नहीं रहेगा। कैंसर की दवाओं की कीमतों में यह कटौती इसी दिशा में उम्मीद जगाने वाला कदम है।



मुद्दा

प्रभात कुमार रॉय

ट्रंप की हार से बदलेगी वैश्विक कूटनीति

अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को मिली करारी शिकस्त ने अमेरिकी राजनीति में नए समीकरण पैदा कर दिए हैं। संसद के दोनों सदनों में बहुमत गंवाने से ट्रंप की मुश्किलें बढ़ेंगी। ईरान युद्ध, बढ़ती महंगाई और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल उनकी पार्टी की हार के प्रमुख कारण बने। डेमोक्रेटिक पार्टी की बढ़त और वामपंथी विचारधारा वाले उम्मीदवारों की जीत अमेरिकी राजनीति में बदलाव के संकेत हैं। चुनावी नतीजों के बाद ट्रंप पर आक्रामक विदेश नीति की समीक्षा का दबाव बढ़ेगा। भारत के साथ व्यापारिक रिश्तों और कूटनीतिक व्यवहार में सुधार की संभावनाएं भी महत्वपूर्ण होंगी। अब देखना होगा कि चुनावी झटका ट्रंप को नीतियां बदलने और सहयोग की राह अपनाने के लिए कितना विवश करता है।

सर्वविदित है कि अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में अमेरिकन पार्लियामेंट के दोनों सदनों हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव (कांग्रेस) और सीनेट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में रिपब्लिकन पार्टी को शिकस्त का सामना करना पड़ा है। हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव की कुल 435 सीटों में अभी तक डेमोक्रेटिक पार्टी को 264 और रिपब्लिकन पार्टी को 162 सीटों पर विजय प्राप्त हुई है। अमेरिकी पार्लियामेंट के उच्च सदन सीनेट की कुल 100 सीटों में डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा 54 सीटें प्राप्त करके अपना स्पष्ट बहुमत सीनेट में भी स्थापित कर लिया गया है, जबकि रिपब्लिकन पार्टी सीनेट में केवल 44 सीटों पर सिमट गई है। अमेरिकन राजनीति के विशेषज्ञ जानकारों के मुताबिक अमेरिका के मिडटर्म चुनाव द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका का एक अत्यंत कमजोर और लाचार राष्ट्रपति बना दिया गया है। अमेरिका में वर्तमान संवैधानिक स्थिति में आंतरिक गृह मोर्चे पर भले ही राष्ट्रपति ट्रंप की शक्तियों पर डेमोक्रेट्स द्वारा कड़ी लगाम कस दी जाएगी, किंतु विदेश नीति के फ्रंट पर तो ट्रंप की कूटनीतिक शक्तियों को कदाचित शिथिल नहीं की जा सकेगा। प्रबल प्रश्न उपस्थित है कि राजनीतिक तौर पर निर्बल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिकन हुकूमत द्वारा वैश्विक कूटनीति और भारत के प्रति उसके व्यवहार में कितना कुछ बुनियादी परिवर्तन अंजाम दिया जा सकता है अथवा नहीं दिया जाएगा। जहां तक अमेरिका के वैश्विक कूटनीतिक व्यवहार का प्रश्न है, वह तो निश्चित तौर पर भविष्य में परिवर्तित होने वाला है। ईरान युद्ध से उत्पन्न हुए दुष्प्रभाव ने ही अमेरिका में आंतरिक तौर पर रिपब्लिकन पार्टी की राजनीतिक तबाही को अंजाम दिया है। डोनाल्ड ट्रंप को अपने आगामी दो वर्ष के कार्यकाल के दौर में अपनी विदेश नीति में बुनियादी परिवर्तन करने के लिए विवश होना ही पड़ेगा। भारत के साथ अमेरिका की संभावित ट्रेड डील किसी सकारात्मक अंजाम तक आखिर कब तक पहुंच सकती है, यह तो भविष्य ही बताएगा। किंतु एक बात निश्चित है कि अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि को बेहतर बनाने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप निश्चित तौर पर भारत के साथ अमेरिका के बिगड़ते हुए रिश्तों को सुधारने की कोशिश अवश्य ही कर सकते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में प्रारंभ से ही पाकिस्तान को भारत के मुकाबले अधिक तरजीह प्रदान करते रहे हैं। पाकिस्तान के सैन्य कमांडर इन चीफ जनरल मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का व्हाइट हाउस में खासतौर पर रेड कार्पेट खैरमकदम किया गया। पाकिस्तानी फौज के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने खजाना खोल दिया! अपने प्रथम कार्यकाल में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पाकिस्तान को वैश्विक आतंकवाद को परिपोषित करने वाला खतरनाक जिहादी मुल्क करार दिया गया था। अमेरिका ग्रेट अगेन और अमेरिका फर्स्ट की उद्घोषणाओं के तहत राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अत्यंत अनुचित और मनमाने ढंग से भारत पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ आयद किया गया, जिसको बाद में घटाकर 50 और फिर 25 प्रतिशत कर दिया गया। ट्रंप द्वारा रूस से तेल आयात करने की स्थिति में भारत के विरुद्ध 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ आयद करने का ऐलान किया गया। अब राष्ट्रपति ट्रंप की अपनी कूटनीतिक विडंबना देखिए कि पेट्रोल और डीजल के जबरदस्त संकट से जूझते हुए अमेरिकन सरकार द्वारा



रूस के विरुद्ध आयद किए गए आर्थिक प्रतिबंधों को निरस्त कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि 3 जनवरी 2027 को हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव के सदस्य शपथ ग्रहण करेंगे। है। हालांकि अभी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास 2 वर्ष 2 महीने का कार्यकाल शेष बचा है। रिपब्लिकन पार्टी द्वारा अमेरिका पार्लियामेंट के दोनों सदनों में अपना बहुमत को गंवा देने की स्थिति में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब अपनी घरेलू और विदेश नीति को कानूनी शक्ति प्रदान नहीं कर सकेंगे। मिडटर्म चुनाव में विकराल शिकस्त हो जाने के पश्चात भी डोनाल्ड ट्रंप के आक्रामक तेवर कदाचित शिथिल नहीं हुए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने बाकायदा ऐलान कर दिया है कि हाउस का रिप्रेजेंटेटिव और सीनेट द्वारा पारित विधेयकों (बिलों) को वह वीटो कर देंगे और लेजिसलेशन (कानूनी एक्ट) का आकार नहीं लेने देंगे। राष्ट्रपति ट्रंप यह भी फरमा दिया है कि उन्हें इस बात की कतई परवाह नहीं है कि उनको प्रेसिडेंट वीटो कहकर इतिहास निरुपित करेगा। नवंबर में संभवतया 17 और 18 तारीख को ट्रंप चीन जाएंगे, जहां पर राष्ट्रपति पुतिन के साथ भी उनकी मुलाकात होगी। यूक्रेन युद्ध को सुलझाने की खातिर राष्ट्रपति ट्रंप राष्ट्रपति पुतिन के साथ कोऑर्डिनेशन स्थापित करके यूक्रेन युद्ध के समापन पर बातचीत अंजाम दे सकते हैं, ताकि यूक्रेन युद्ध को समाप्त कर देने के लिए उनका दावा कायम बना रह सके। मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की शर्मनाक शिकस्त के लिए अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रारंभ किए गए आक्रामक ईरान युद्ध को जिम्मेदार करार दिया है। डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में अमेरिका की इजरायल के साथ अत्यधिक घनिष्ठता पर भी रिपब्लिकन पार्टी के लीडर्स ने सवाल खड़े किए हैं। दरअसल रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ लीडर अब भविष्य में सन 2028 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव की तरफ देख रहे हैं। आने वाले वक्त में ईरान युद्ध पर लगाम कसने के लिए अब सबसे पहले रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ लीडर ही राष्ट्रपति ट्रंप के आड़े आ जाएंगे। क्योंकि ईरान युद्ध को उपराष्ट्रपति जीडी वैंस एवं अन्य रिपब्लिकन लीडर राष्ट्रपति ट्रंप का व्यक्तिगत निर्णय घोषित कर चुके हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका फर्स्ट अभियान को संचालित करते हुए ट्रंप ने भविष्य में कोई भी युद्ध नहीं करने का बाकायदा ऐलान किया था। लेकिन ट्रंप द्वारा भविष्य में युद्ध नहीं करने के ऐलान का एकदम उलटकर ईरान पर युद्ध थोप दिया गया। ईरान में रिजीम चेंज करने की सनक में ट्रंप ने कहा कि कुछ ही दिनों में ईरान में रिजीम चेंज हो जाएगा और युद्ध समाप्त हो जाएगा। किंतु 6 महीनों का वक्त व्यतीत हो गया, है और अभी तक युद्ध के समापन का कोई मुहूर्त नहीं आया है। बहुत मुमकिन है कि राष्ट्रपति ट्रंप आने वाले कुछ दिनों में फिर से ईरान पर आक्रामक धावा बोल सकते हैं। हालांकि रिपब्लिकन पार्टी की पराजय से अत्यंत क्षुब्ध और क्रोधित रिपब्लिकन लीडर ऐसा करने से राष्ट्रपति ट्रंप को अवश्य ही रोक सकेंगे। ट्रंप द्वारा स्वयं भी आखिरकार रिपब्लिकन पार्टी की पराजय को बाकायदा स्वीकार कर लिया है और ट्रंप ने यह भी कहा है कि मिडटर्म चुनाव में पराजय ईरान युद्ध के कारण ही मुमकिन हुई है। समझा जा रहा है कि ईरान युद्ध के कारणवश ही अमेरिका में महंगाई की दर चार प्रतिशत से भी अधिक हो गई। डीजल और पेट्रोल के दाम बढ़ गए हैं। मिडटर्म चुनाव सर्वे में एक बात स्पष्ट तौर पर उभरकर सामने आई है कि अमेरिका के 75% मतदाता ईरान युद्ध के विरुद्ध रहे हैं। चुनाव में पराजय का सामना करने के बाद संभव है कि ट्रंप को अमरीकी संसद के पटल पर कई बहुमत वाली डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा प्रस्तावित महाअभियोग का भी सामना करना पड़े। विगत कार्यकाल में भी ट्रंप ने दो दफा महाअभियोग का सामना किया था। भविष्य में जो भी परिस्थिति रहे किंतु ट्रंप को पराजय से गंभीर सबक लेना चाहिए और आगामी दो वर्षों के कार्यकाल में राजनीतिक और कूटनीतिक गलतियों को दुरुस्त करना चाहिए।

(लेखक विधि मामलों के जानकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मंथन

रितीश उपाध्याय



समझ न आए कानूनी फ़ैसला, तो इंसाफ़ कैसा?

जमीन का मुकदमा हार चुके एक किसान के हाथ में फ़ैसले की प्रति आती है, जिसे वह पढ़ ही नहीं पाता। वकील मोटे तौर पर मतलब बता देता है, कभी इत्मीनान से, कभी कचहरी के गलियारों में जल्दबाजी में। पर अदालत ने ऐसा फ़ैसला क्यों दिया, इसकी वजह उस भाषा में दबी रह जाती है, जो उस किसान की अपनी नहीं है। जिसकी आजादी, जमीन या रोजी दांव पर थी, क्या उसे अपना फ़ैसला खुद पढ़ने और समझने का भी हक़ नहीं? इस मामले में संवैधानिक प्रावधान पहली नज़र में जरूर थोड़े सख़्त दिखते हैं। अनुच्छेद 348(1)(क) के अनुसार, जब तक संसद क़ानून बनाकर कुछ और तय न करे, सुप्रीम कोर्ट और हर हाई कोर्ट की कार्यवाही अंग्रेज़ी में होगी। संविधान के अनुच्छेद 348(2) ने राज्यपाल को राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से हाई कोर्ट की कार्यवाही में हिंदी या राज्य की राजभाषा का प्रयोग करने की इजाज़त देने का अधिकार दिया है। हालांकि, यह छूट हाई कोर्ट के फ़ैसलों, डिक्री और आदेशों पर लागू नहीं होगी, हालांकि इस रिक्ति को राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 7 भरती है। उसके तहत राज्यपाल, राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से फ़ैसले, डिक्री और आदेश के लिए भी अंग्रेज़ी के साथ हिंदी या उस राज्य की किसी राजभाषा को मान सकते हैं, लेकिन नियम के अनुसार हाई कोर्ट के प्राधिकार से जारी अंग्रेज़ी अनुवाद साथ संलग्न होना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट का मामला अलग है, वहां ऐसा कोई रास्ता नहीं है। बदलाव सिर्फ़ संसद द्वारा पारित किसी क़ानून से आ सकता है। आम जन में धारणा है कि अदालतों की भाषा अंग्रेज़ी तय है और उसमें कुछ नहीं बदल सकता। पर क़ानून पढ़ें तो तस्वीर अलग नज़र आती है। उसमें अपनी भाषा के लिए जगह मौजूद है, लेकिन उसका इस्तेमाल बेहद कम हुआ है। इस्तेमाल कितना कम हुआ, यह आंकड़े बताते हैं। अब तक भारत के केवल चार ही हाई कोर्ट में कार्यवाही के लिए हिंदी को इजाज़त है, ये राज्य हैं राजस्थान (1950), उत्तर प्रदेश (1969), मध्य प्रदेश (1971) और बिहार (1972)। तमिलनाडु, गुजरात, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक के प्रस्ताव आगे ही नहीं बढ़ सके। ऐसे हर प्रस्ताव पर भारत के मुख्य न्यायाधीश की सहमति ली जाती है, और केंद्र सरकार संसद में बता चुकी है कि सुप्रीम कोर्ट ने इन्हें स्वीकार नहीं किया। क़ानून बनाने और बने हुए क़ानून के तहत हिंदी या राजभाषा का प्रयोग करने में वक़्त लग सकता है, पर तब तक आम आदमी क्या करे? जवाब अनुवाद में है। राज्यसभा को बताया गया कि 28 मार्च 2025 तक सुप्रीम कोर्ट के ई-एससीआर पोर्टल पर 36,344 फ़ैसले हिंदी में और 47,439 अनुवाद दूसरी भाषाओं में उपलब्ध थे। ये अनुवाद 18 भाषाओं में उपलब्ध हैं, जिनमें तमिल, तेलुगु, बांग्ला, गुजराती और पंजाबी शामिल हैं। हालांकि, यह केवल सुप्रीम कोर्ट के रिपोर्टेबल यानी चुने हुए अहम फ़ैसले हैं, हर आदेश नहीं। और जो फ़ैसले कई भाषाओं में अनुवादित हैं, वे हर भाषा के हिसाब से अलग गिने गए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने इस काम को रफ़्तार दी है, पर अकेली मशीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। 2024 में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने बताया था कि एआई ने लीव ग्रांटेड का अनुवाद अवकाश प्राप्त हुआ कर दिया, जबकि अदालत में इसका मतलब है कि अपील सुनने की इजाजत मिल गई। जाहिर है, क़ानून की भाषा में एक शब्द चूकने से पूरा अर्थ बदल जाता है। इसीलिए नवंबर 2019 में इसवासर सॉफ़्टवेयर शुरू होने के बाद से अनुवाद की जांच का ढांचा भी खड़ा किया गया है, जिसमें हाई कोर्ट भी शामिल हैं। साझा शब्दावली पर भारतीय भाषा समिति काम कर रही है, जिसे भारतीय बार काउंसिल और केंद्र सरकार ने बनाया है और जिसके अध्यक्ष पूर्व मुख्य न्यायाधीश एस. ए. बोबडे हैं। महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि क्या क्या अंग्रेज़ी हटाकर उसकी जगह किसी एक भारतीय भाषा को बिठा दिया जाए? लेकिन जब केरल या नगालैंड का वकील दिल्ली की पीठ के सामने खड़ा होता है, तो दोनों को एक साझा भाषा चाहिए। अब जरूरत इस पहल को हिंदी से आगे ले जाने की है। हर राज्य में उसकी प्रमुख भाषा में सार मिलें, हाई कोर्ट के फ़ैसलों के लिए भी यही व्यवस्था बने और क़ानून, अदालती नियम, फ़ैसले की कॉपी तथा मुफ़्त क़ानूनी मदद की जानकारी राज्य की भाषा में भी उपलब्ध हो। अनुवाद की कामयाबी गिनती से नहीं, उसके उद्देश्य के पूरे होने से परखी जानी चाहिए। कहा जाता है कि न्याय सिर्फ़ होना ही नहीं चाहिए, बल्कि होते हुए स्पष्ट रूप से दिखना भी चाहिए। यानी न्याय का मकसद सिर्फ़ फ़ैसला सुनाना नहीं, बल्कि उसे समझने का अधिकार सुनिश्चित करना भी है। न्याय तब तक मुकम्मल नहीं हो सकता, जब तक प्रभावित व्यक्ति फ़ैसले को समझ न ले। जो इंसाफ़ समझ में न आए, वह मिलकर भी अधूरा रह जाता है।

(लेखक सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

इच्छाओं का पात्र कभी नहीं भरता



एक बार एक साधु राजा के महल में पहुंचा। राजा का नियम था कि उसके महल में सबसे पहले आने वाले व्यक्ति की हर इच्छा पूरी की जाएगी। राजा ने साधु से कहा कि वह जो चाहे मांग सकता है। साधु ने अपने हाथ में पकड़ा छोटा-सा भिक्षापात्र आगे करते हुए कहा, 'महाराज! बस इसे सोने के सिक्कों से भर दीजिए।' राजा को यह बहुत आसान काम लगा। उसने तुरंत सेवकों को सोने के सिक्के लाने का आदेश दिया। सिक्के पात्र में डाले गए, लेकिन वह खाली ही रहा। राजा ने और सिक्के मंगवाए, फिर भी पात्र नहीं भरा। धीरे-धीरे राजा ने अपना पूरा खजाना उस पात्र में डलवा दिया, लेकिन वह फिर भी खाली रहा। आखिरकार राजा ने हार मान ली और साधु से पूछा कि इस छोटे से पात्र में ऐसा क्या रहस्य है, जो वह भरने का नाम ही नहीं लेता? साधु मुस्कराया और बोला, 'महाराज! यह कोई जादुई पात्र नहीं है। यह मनुष्य की खोपड़ी से बना है। जिस प्रकार इंसान का मन कभी संतुष्ट नहीं होता, उसी प्रकार यह पात्र भी कभी नहीं भरता। मनुष्य धन, पद, प्रतिष्ठा और ज्ञान कितना भी प्राप्त कर ले, उसकी इच्छाएं लगातार बढ़ती रहती हैं।' साधु ने आगे कहा कि भौतिक सुखों के पीछे भागते-भागते मनुष्य अपना पूरा जीवन बिता देता है, लेकिन मन का खालीपन दूर नहीं होता। सच्ची शांति बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि आत्मज्ञान, संतोष और ईश्वर के प्रति समर्पण में है। इसकी सीख यह है कि इच्छाओं का कोई अंत नहीं है। जीवन में वास्तविक सुख अधिक पाने में नहीं, बल्कि जो मिला है उसमें संतोष करना और मन को निर्मल रखना सीखने में है।

संकलित

दर्शन

जीवन में मुश्किलें स्थायी नहीं होतीं



पहाड़ की ऊंची चोटी पर एक विशाल चील रहती थी। उसकी उड़ान इतनी ऊंची और तेज थी कि आसमान में दूसरे पक्षी भी उसे देखकर गर्व महसूस करते थे। एक दिन शिकार करते समय शिकारी का तीर उसके पंख में आ लगा। चील घायल होकर जमीन पर गिर पड़ी। जो कभी आसमान की रानी थी, वह अब उड़ने में भी असमर्थ थी। दिन बीतने लगे। चोट के कारण वह शिकार नहीं कर पा रही थी। दूसरे पक्षी उसे देखकर कहते, 'अब यह कभी आसमान में नहीं उड़ पाएगी। इसके उड़ने के दिन खत्म हो गए।' उनकी बातें सुनकर चील निराश हो जाती। एक रात एक बूढ़े उल्लू ने उसे समझाया, 'चोट तुम्हारे पंखों को कमजोर कर सकती है, हौसले को नहीं। अगर तुमने कोशिश करना छोड़ दिया तो हार निश्चित है। धैर्य रखो और धीरे-धीरे दोबारा उड़ने का अभ्यास करो।' चील को उसकी बातों से नई उम्मीद मिली। उसने पहले अपने पंख फड़फड़ाने शुरू किए। फिर छोटी-छोटी छलांग लगाकर उड़ने का प्रयास किया। कई बार गिरी, दर्द सहा, लेकिन हिम्मत नहीं हारी। आखिरकार कई सप्ताह की मेहनत के बाद एक दिन उसने अपने पंख फैलाए और आसमान की ओर उड़ चली। इससे सीख मिलती है कि जीवन में असफलता और मुश्किलें कभी स्थायी नहीं होतीं। गिरने के बाद फिर उठने का साहस ही असली ताकत है। परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन हों, धैर्य, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास से मंजिल हासिल की जा सकती है।

संकलित

प्रेरणा

अंतर्मन

खड़गे के दिवाली संदेश से बढ़ा राजनीतिक विवाद



आज की पाती

जहरीली हवा गंभीर खतरा

जहरीली होती हवा लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन गई है। बच्चों, बुजुर्गों और सांस के मरीजों को खासे अधिक परेशानी हो रही है। प्रदूषण के कारण आंखों में जलन, सांस लेने में दिक्कत और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है हुकमे लिए केवल सरकार को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है, नागरिकों की भी जवाबदेही है। वाहनों का सीमित उपयोग, कचरा न जलाना, अधिक से अधिक पौधे लगाना और निर्माण कार्यों में धूल पर नियंत्रण जैसे कदम जरूरी हैं। प्रशासन को प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ सख्ती करनी चाहिए। स्कूलों, सामाजिक संस्थाओं और नागरिक संगठनों को भी जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। स्वस्थ हवा प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। इसके लिए सरकार और समाज को मिलकर ठोस प्रयास करने होंगे।

- संजय सैनी, सोनीपत

ट्रेंड

गुणी व्यक्ति

जो लोग प्राणियों के प्रति सम्मान भाव रखते हैं, और जो इसका तथा शोध से जुड़ा है, तथा जो कभी भी व्यापार के मार्ग का त्याग नहीं करते, उन्हें ही वास्तव में गुणी व्यक्ति माना जाता है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

विकास को गति

दिल्ली के निवासियों को वर्षों से जिन बुनियादी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें दूर करने के लिए अब ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। हमारी सरकार इन समस्याओं के समाधान के लिए जमीनी स्तर पर योजनाएं लागू कर रही है। ये प्रयास दिल्ली के विकास को गति दे रहे हैं।

-परवेश साहिब सिंह, कैबिनेट मंत्री, दिल्ली

गोशालाओं को अनुदान

पशुपालन केवल धार्मिक आस्था का विषय ही नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भरता का एक मजबूत आधार भी है। आज राज्य भर की 3,000 से अधिक पंजीकृत गोशालाओं को 65.66 करोड़ की अनुदान राशि हस्तांतरित की।

- डॉ. मोहन यादव, सीएम, मध्यप्रदेश

'पीडीए सरकार' बनाएंगे

कुछ ही महीनों में, हम आपकी 'पीडीए सरकार' बनाएंगे और राशन में सस्ती का तेल उपलब्ध कराएंगे, ताकि किसी भी गरीब, वंचित या गरीब व्यक्ति को इस मजबूरी वाली के हाथों अपमानित न होना पड़े और न ही लाठियां खानी पड़ें।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

महिलाओं से हर जिम्मेदारी की अपेक्षा, सम्मान देने में समाज पीछे

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा कि समाज महिलाओं से घर संभालने, आजीविका कमाने, परिवार का सहारा बनने और भावनात्मक संबल देने की अपेक्षा तो करता है, लेकिन इसके बराबर उनके साथ भेदभाव जारी है। रहाटकर ने महिलाओं के प्रति समाज की सोच में बुनियादी बदलाव की जरूरत पर जोर दिया। सरकारों ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कानून बनाए हैं, लेकिन केवल कानूनों से अपेक्षित बदलाव नहीं लाया जा सकता। 'मुझे यह देखकर भी थोड़ा आश्चर्य होता है कि समाज महिलाओं से हर चीज की अपेक्षा करता है। चाहे घर की देखभाल की बात हो, इसके लिए मां, पत्नी, बहन या बेटी ही होनी चाहिए। उसे हर परिस्थिति में मजबूती से खड़ा होना चाहिए, आत्मनिर्भर बनना चाहिए, कमाना चाहिए, सबका सहारा बनना चाहिए, घर के काम करने चाहिए और सभी की भावनात्मक संबल भी देना चाहिए। उससे ये सभी अपेक्षाएं की जाती हैं। लेकिन 'कभी-कभी मुझे यह देखकर बहुत आश्चर्य और दुख होता है कि जिस देश में सदियों से महिलाओं का इतना सम्मान किया जाता रहा है, वहां आज भी उनके साथ भेदभाव होता है। समाज उसको सम्मान देने में पीछे है। यह बात मुझे बहुत परेशान करती है।' 'जब उसी मां, बहन या बेटी को घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ता है, तो बहुत दुख होता है। घरेलू हिंसा पर समाज की सोच बदलनी होगी

ऑफ बीट

रबड़ के दस्तानों पर डंपिंग रोधी शुल्क की सिफारिश

वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने थाइलैंड और मलेशिया से आयात किए जाने वाले चिकित्सा जांच में इस्तेमाल होने वाले रबड़ के दस्तानों पर पांच साल के लिए प्रति एक लाख इकाई पर 565 अमेरिकी डॉलर तक का डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है। इस शुल्क से घरेलू विनिर्माताओं को इन दोनों देशों से होने वाले सस्ते आयात से बचाने में मदद मिलेगी। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने थाइलैंड और मलेशिया के विनिर्माताओं द्वारा इन उत्पादों को भारतीय बाजार में कथित तौर पर लागत से कम कीमत पर बेचे जाने के प्रभाव की जांच के बाद यह सिफारिश की है। डीजीटीआर ने अधिसूचना में कहा, "प्राधिकरण संबंधित देशों में उत्पादित या वहां से निर्यात किए जाने वाले संबंधित उत्पादों के आयात पर निश्चित डंपिंग-रोधी शुल्क लगाना आवश्यक मानता है और इसकी सिफारिश करता है।" इसमें कहा गया कि प्रस्तावित शुल्क प्रति एक लाख दस्तानों पर 442 अमेरिकी डॉलर से 565 अमेरिकी डॉलर के बीच है। शुल्क लगाने पर अंतिम फैसला वित्त मंत्रालय करेगा। डीजीटीआर ने अपने अंतिम निष्कर्षों में कहा कि डंपिंग वाले आयात के कारण "शुरुआती चरण में चल रहे घरेलू उद्योग को गंभीर नुकसान हुआ है।"

शोधकर्ताओं ने जलवायु नेटवर्क और जटिल तंत्रों के सिद्धांत को परखा

अब मिलेगी मानसून की सही जानकारी, आईआईटी मद्रास 84 साल के आंकड़ों का किया विश्लेषण, अब देशभर के किसान नहीं होंगे परेशान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आईआईटी मद्रास के अनुसार शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में 84 वर्षों के बारिश के आंकड़ों का विश्लेषण किया। इसके आधार पर पता चला कि औसतन पूर्वोत्तर भारत में बड़े स्तर पर मानसून की शुरुआत 15 मई के आसपास होती है, जबकि प्रायद्वीपीय भारत में यह समय लगभग 9 जून होता है। अध्ययन में सामने आया कि मानसून की शुरुआत के दौरान बारिश से बने सबसे बड़े समूह का आकार अचानक बढ़ता है। इसके बाद यह समूह लगातार भौगोलिक रूप से फैलता है और उत्तर की ओर बढ़ता जाता है। यही प्रक्रिया मानसून के देशभर में आगे बढ़ने का संकेत देती है। इससे पता लगाया जा सकेगा कि किसी स्थान पर मानसून की वास्तविक और बड़े स्तर पर शुरुआत कब हुई है। इसकी खास बात यह है कि इसमें केवल किसी एक जगह पर हुई बारिश को आधार नहीं बनाया गया है।

मौसम से जुड़ी वास्तविक स्थिति का पता लगेगा



शोध के नतीजे हो चुके प्रकाशित



आईआईटी मद्रास के मुताबिक इस शोध के नतीजे अमेरिकन मेटियोरोलॉजिकल सोसाइटी की प्रतिष्ठित शोध पत्रिका 'जर्नल ऑफ क्लाइमेट' में प्रकाशित हुए हैं। इसके सह-लेखकों में योगेश्वरन पाटिल, गौरव घोपड़े, श्रुति टंडन, प्रो. आरआई कुजीत और प्रो. वीएस गोस्वामी शामिल हैं। शोधकर्ताओं ने देश के अलग-अलग भौगोलिक स्थानों को एक नेटवर्क की तरह माना है। इसमें हर स्थान को एक केंद्र के रूप में देखा गया है। इन केंद्रों के बीच संबंध वहां होने वाली बारिश की शुरुआत के आधार पर तय किए गए हैं।

मानसून में अंतर करना होगा सरल

शोधकर्ताओं ने जलवायु नेटवर्क और जटिल तंत्रों के सिद्धांत का इस्तेमाल करते हुए यह समझाने की कोशिश की कि अलग-अलग इलाकों में शुरू हुई बारिश कब एक बड़े और आपस में जुड़े मानसूनी तंत्र का हिस्सा बन जाती है। इससे स्थानीय स्तर पर कुछ समय के लिए हुई बारिश और लगातार सक्रिय होने वाले बड़े मानसून के बीच अंतर करना आसान हो सकता है। यह तरीका चुनाई का सही समय तय करने, जल संसाधनों व बाढ़ की तैयारी करने में मददगार साबित हो सकता है।

सक्रिय बड़ा मानसूनी तंत्र भी प्रभावकारी

प्रो. आरआई सुजीत ने बताया कि किसी स्थान पर मानसून का पहुंचना वहां हुई पहली बारिश से तय नहीं होता। जब किसी स्थान पर बारिश की शुरुआत देश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश से जुड़े सबसे बड़े समूह का हिस्सा बन जाती है, तभी वहां बड़े स्तर पर मानसून की शुरुआत मानी जाएगी। इसका मतलब है कि उस स्थान पर होने वाली बारिश अब केवल स्थानीय मौसम की वजह से नहीं हो रही, बल्कि वह देश में सक्रिय बड़े मानसूनी तंत्र से जुड़ चुकी है।

प्रबंधन करने में मिलेगी मदद

शोधकर्ता इस बदलाव को जलवायु नेटवर्क में एक बड़े परिवर्तन के रूप में देखते हैं। प्रो. सुजीत ने बताया कि इस तरीके से मानसून की गलत शुरुआत का अनुमान लगाने से बचा जा सकता है। इससे बुवाई के लिए बेहतर समय मिल सकता है। खाद्य सुरक्षा और जल संसाधनों के प्रबंधन की योजना तैयार करने में मदद मिलेगी।

खबर संक्षेप

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन आज थूथुकुडी जाएंगे

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन बुधवार को तमिलनाडु के थूथुकुडी का दौरा करेंगे। इस दौरान उपराष्ट्रपति थूथुकुडी में तमिलनाडु मर्केंटाइल बैंक लिमिटेड के 105वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे। वे अपने पूर्व संस्थान वीओ चिदंबरम कॉलेज के प्लैटिनम जुबली समारोह और छात्रों के मिलन कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।



दिल्ली-एनसीआर में वाहनों से बढ़ते प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

तुरंत एक्शन लें राज्य सरकारें, 2 हफ्ते में वे किए गए उपायों की पूरी डिटेल भी पेश करें

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान को लगाई कड़ी फटकार

मामले की अगली सुनवाई 23 नवंबर को होगी



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान को बढ़ते प्रदूषण को लेकर कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने आदेश दिया कि वे उन उपायों की पूरी जानकारी दें, जो ओवर-एज और नियमों के खिलाफ चल रहे वाहनों को दिल्ली-एनसीआर में घुसने और चलने से रोकने के लिए किए गए हैं।

इस मामले में सख्ती दिखाते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने साफ कहा है कि वाहनों से होने वाला प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है और इस पर तुरंत एक्शन लेना बहुत जरूरी है। कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान की सरकारें, साथ ही म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफ दिल्ली (एमसीडी) और दिल्ली पुलिस से इस पूरे मामले में जवाब मांगा है। कोर्ट ने सभी पक्षों को 2 हफ्ते के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का समय दिया है।

वाहनों पर भी चिंता जताई

चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने यह निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली-एनसीआर में न सिर्फ स्थानीय वाहन प्रदूषण फैला रहे हैं, बल्कि पड़ोसी राज्यों से आने वाले भारी-भरकम कमर्शियल और प्राइवेट वाहन भी स्थिति को और गंभीर बना रहे हैं।

अदालत ने किए ये सवाल

- **प्रदूषण मानक और पीयूसी:** जो गाड़ियां तय प्रदूषण मानकों पर खरी नहीं उतरतीं, उनकी पहचान कैसे की जाती है और पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट के नियमों को कैसे लागू किया जा रहा है?
- **अब तक क्या कार्रवाई हुई:** अधिकारियों को यह बताना होगा कि नियमों तोड़ने वालों पर क्या एक्शन लिया गया? कितने वाहनों की जांच हुई, कितने चालान काटे गए, कितनों की एंट्री रोकी गई या अन्य कानूनी कार्रवाई की गई।
- **आपसी तालमेल-** इसके अलावा दिल्ली और पड़ोसी राज्य मिलकर अंतर-राज्यीय वाहनों के आने-जाने को कैसे कंट्रोल कर रहे हैं?
- **सीएक्यूएम और न्यायमित्र के सुझाव:** कमिशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) और कोर्ट के न्यायमित्र द्वारा दिए गए सुझावों पर इन राज्यों की क्या राय है और वे इसके अलावा क्या कदम उठाएंगे।

पराली जली कम, पर गाड़ियों का धुआं बढ़ा

गौरतलब है कि यह मामला 6 नवंबर को दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से जुड़े एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई के दौरान सामने आया। कोर्ट ने माना कि दिल्ली, यूपी, हरियाणा और पंजाब/राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं में काफी कमी आई है, जो कि एक राहत की बात है। इसके साथ ही कोर्ट ने चिंता जताई कि जैसे-जैसे पराली के मामले घटे हैं, वैसे-वैसे गाड़ियों के धुएं से होने वाला प्रदूषण तेजी से बढ़ गया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 23 नवंबर को होगी।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर होने वाली ठगी पर कहा

रोकने के कदमों की जानकारी दें डिजिटल प्लेटफॉर्म

उच्चतम न्यायालय ने वाट्सएप और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म चलाने वाली कंपनियों से कहा है कि वे ऐसे डिजिटल अरेस्ट के मामले रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी दें। 29 अक्टूबर को हुई सुनवाई से संबंधित आदेश में न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई जानकारी के अनुसार प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने वाट्सएप और अन्य संबंधित कंपनियों को अपने प्रस्ताव भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आईएसी) को भी एक साथ सौंपने का निर्देश दिया। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 23 नवंबर की तारीख तय की है। वाट्सएप की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने पीठ को बताया कि प्लेटफॉर्म ने बचाव के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें 9,400 अकाउंट के खिलाफ कार्रवाई भी शामिल है। उन्होंने कहा था कि कंपनी अब तक उठाए गए कदमों की जानकारी देते हुए हलफनामा दाखिल करेगी। उन्होंने बताया था कि प्लेटफॉर्म एक ऐसे सॉफ्टवेयर पर काम कर रहा है, जो संदिग्ध अकाउंट की पहचान करके उपयोगकर्ताओं को सतर्क करेगा।



खरगे ने कसा तंज

वायु प्रदूषण में हम 'विश्वगुरु' क्यों बन रहे?

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच मंगलवार को केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि वायु प्रदूषण के मामले में दिल्ली 'विश्वगुरु' क्यों बनती जा रही है और क्या प्रधानमंत्री मोदी देश को 'हवा का हिसाब' देने का साहस दिखाएंगे? दिल्ली में दीपावली के बाद प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। पड़ोसी राज्यों में पराली जलाए जाने को भी इसकी एक प्रमुख वजह माना जा रहा है।



सोनिया की किताब पर सवाल

केवल मुसलमानों के वोट के लिए वे बहाती रहीं आंसू: गिरिराज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के संस्मरण ने उनका यह असली चेहरा सामने ला दिया कि उनके आंसू सिर्फ मुसलमानों के वोट के लिए बहते हैं, लेकिन ज ब पाकिस्तानी आतंकवादी भा र ती यों की हत्या करते हैं और नक्सली 'सनातनियों का नरसंहार' करते हैं, तब उनके आंसू सूख जाते हैं। सिंह ने गांधी के संस्मरण में की गई इस टिप्पणी के लिए भी उन पर निशाना साधा कि प्रधानमंत्री जब भी उनके सामने आते हैं, तो अक्सर नजरें फेर लेते हैं। सिंह ने कहा कि वे कितने लोगों से नजरें मिलाएंगे? वे अपने दुश्मनों से सीधे उनकी आंखों में देखकर बात करते हैं। वे पाकिस्तान और देश के दुश्मनों की आंखों में आंखें डालकर बात करते हैं। उनके आंसू वोट और मुसलमानों के लिए बहते हैं।





विहिप ने 'हिंदू विरोधी' पर की माफी की मांग

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने सोनिया गांधी पर हिंदू मान्यताओं को आहत करने और तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए, उनसे माफी मांगने की मांग की। विहिप के केंद्रीय संयुक्त महासचिव सुरेंद्र जैन ने आरोप लगाया कि वे मुस्लिम वोट बैंक को रिझाने के लिए कुछ जगहों का दिखावा कर रही हैं और महाराष्ट्र के आंसू तथा 'चुनाव के [illegible]

क्या महत्वाकांक्षी होना अपराध है?

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी और लेखिका शर्मिष्ठा मुखर्जी ने अपने पिता की प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा को लेकर सोनिया गांधी के दावों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने साफ कहा है कि राजनीति में शीर्ष पद की इच्छा रखना कोई गुनाह नहीं है, खासकर तब जब उसके पीछे वर्षों का लंबा अनुभव और असाधारण कार्यक्षमता हो।



न्यायालय नायब तहसीलदार सूरजपुर 01 जिला सूरजपुर (छ०ग०)

ईस्तहार

राजस्वप्रकरण कमांक/अ-24/2026-27

ग्रामदेवीपुर

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम देवीपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका रगमेन बाई पति चन्द्रमनि जाति गोंड़ निवासी ग्राम देवीपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ०ग०) के द्वारा ग्राम देवीपुर प०ह०न० 13 स्थित भूमि खसरा न० 1573 रकबा 0.2590 हे० भूमि स्थित है। उक्त भूमि में से 0.040 हे० भूमि को अपने स्वेच्छा से छ०ग० शासन के पक्ष में आम रास्ता हेतु त्यजन करने हेतु शपथ पत्र, नक्शा, खसरा, बी-1 की छाया प्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर भूमि त्यजन की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या कोई संस्था को आपत्ति हो तो दिनांक 12/11/2026 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात्प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 28/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार
सूरजपुर-1

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)

रा०प्र०क०/ /अ-06/2026-27

ईस्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि आवेदक अभिषेक सिंह आ स्व. प्रमेन्द्र कुमार सिंह, उम्र- 41 वर्ष निवासी स्कूल रोड ठनगन पारा लोकनायक वार्ड नं0 38 था०ना०ह० अम्बिकापुर, जिला सरगुजा के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक के पिता के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ0पुर मोहल्ला देवीगंज रोड स्थित नजूल भूमि प्लॉट नं. 3136/1 रकबा 0.033 1/2 हे० एवं 3152/4805/1 रकबा 0.019 1/2 हे० भूमि है। आवेदकगण की माता नगीना बाई की मृत्यु दिनांक 03.12.1994 को हो गई है। तद्उपरांत फौति नामांतरण किये जाने तथा मृत सह भूधारक गुलाब चंद, धरचंद, उत्तमचंद आ० रूलीराम अग्रवाल एवं विक्रेता पवन कुमार अग्रवाल का नाम विलोपित किये जाने हेतु आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-20/11/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक-30/10/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

रा०प्र०क०-/अ-6/2026-27

ईस्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण रामविलास अग्रवाल, सूरजभान अग्रवाल, कृष्ण कुमार अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल आ.स्व. पतराम दास अग्रवाल, सभी सभी निवासी ब्रम्हरोड़, था०तह० अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा के द्वारा इस आशय का आवेदन पेश किया गया है, कि आवेदकगण के माता नगीना बाई पत्नि पतराम अग्रवाल के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, शीट नं. 08 मोहल्ला ब्रम्हपारा स्थित नजूल भूमि प्लॉट नं. 3136/1 रकबा 0.033 1/2 हे० एवं 3152/4805/1 रकबा 0.019 1/2 हे० भूमि है। आवेदकगण की माता नगीना बाई की मृत्यु दिनांक 03.12.1994 को हो गई है। तद्उपरांत फौति नामांतरण किये जाने तथा मृत सह भूधारक गुलाब चंद, धरचंद, उत्तमचंद आ० रूलीराम अग्रवाल एवं विक्रेता पवन कुमार अग्रवाल का नाम विलोपित किये जाने हेतु आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-23/11/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 05/11/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

कार्यालय कलेक्टर (आबकारी) जिला-एमसीबी (छ.ग.)

Email-excisemcb2024@gmail.com

//द्वितीय निविदा सूचना//

मनेन्द्रगढ़, दिनांक 04/11/2026

सर्वसाधारण को विशेष जानकारी के लिए यह सूचना प्रकाशित की जाती है कि शासन के निर्देशानुसार पोण्डूहिल, चिरमिरी, जिला एमसीबी क्षेत्र में विदेशी मदिरा दुकान पोण्डूहिल हेतु एक दुकान/भवन उपयुक्त स्थल पर किराये पर लिये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदाकार, निविदा शर्तों के अधीन तकनीकी निविदा एवं वित्तीय निविदा के बंद लिफाफे, एक बड़े लिफाफे में रख कर बंद लिफाफा दिनांक 16.11.2026 को दोपहर 02:00 बजे तक जमा कर सकते निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा। तकनीकी निविदा दिनांक 16.11.2026 को सायं 04:00 बजें निविदा मूल्यांकन हेतु गठित समिति के समक्ष खोला जावेगा।

निविदा के नियम/शर्तों की जानकारी एवं निविदा प्रपत्र, जिला प्रबंधक सी.एस.एम.सी.एल. जिला-एमसीबी के पक्ष में देय रु 500/- का बैंक ड्राफ्ट, दिनांक 13.11.2026 सायं 05:30 बजे तक कार्यालयीन कार्यदिवस में कार्यालयीन समय तक, कार्यालय जिला प्रबंधक सी.एस.एम.सी.एल. जिला-एमसीबी में जमा कर प्राप्त कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 05/11/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(कलेक्टर महोदया द्वारा अनुमोदित)
प्र.जिला आबकारी अधिकारी
हेतु कलेक्टर
जिला-एमसीबी (छ.ग.)
जी 262704467/1

केरल में कार्यक्रम भाजपा ने घेरा

स्वास्थ्य मंत्री 'वंदे मातरम' पूरा होने से पहले ही कुर्सी पर बैठ गए

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

केरलम में मंत्री आधिकारिक कार्यक्रम में 'वंदे मातरम' पूरा होने से पहले ही अपनी कुर्सी पर बैठ गए, जिससे विवाद खड़ा हो गया है। केरलम के स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने कासरगोड में एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान, राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के पूरा होने से पहले ही अपनी सीट पर वापस बैठ गए। यह घटना जिले के मुलेरिया फैमिली हेल्थ सेंटर में एक प्रयोगशाला के उद्घाटन के दौरान हुई।



सांसद और जिला कलेक्टर भी लौटे सीट पर

इस कार्यक्रम में उन्नथिथल, वनाहिन और कलेक्टर श्रीधन्या सुरेश भी मौजूद थे। ये तीनों भी 'वंदे मातरम' का गायन पूरा होने से पहले ही अपनी सीटों पर लौट आए।

क्या है पूरा मामला?

जब 'वंदे मातरम' बजना शुरू हुआ, तो मंत्री के. मुरलीधरन, सांसद राजमोहन उन्नीथान, विधायक के. माहीन और कलेक्टर, गीत के पहले दो पद गाए जाने के बाद अपनी सीट पर बैठ गए। अन्य नेता, जिनमें विधायक के. नीलकंदन और डीसीसी अध्यक्ष पी.के. फैसल शामिल थे, पूरा गीत खत्म होने तक खड़े रहे। इस घटना को लेकर इनकी आलोचना की है। मंत्री ने पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें देशभक्ति का पाठ पढ़ाने की जरूरत नहीं है।

गोवर्धन पूजा



जयपुर। मंगलवार को राजस्थान के जयपुर में बीएपीएस श्री स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर में 'गोवर्धन पूजा' के दौरान लोग गाय को खाना खिलाते हुए।

4 किमी में क्रूज और फेरी सेवाएं शुरू, मंत्री सोनोवाल और रेखा रहे मौजूद

यमुना में करें क्रूज, म्यूजिकल फाउंटेन और फूड कोर्ट की सैर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्लीवासियों को अब यमुना में क्रूज और नौका विहार का आनंद लेने के लिए दूसरे शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

■ अब दिल्ली में लें गोवा सा आनंद

केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और मसीएम रेखा गुप्ता ने मंगलवार को सोनिया विहार में 'नमो यमुना रिवर क्रूज सेवा' का शुभारंभ किया। राजधानी में नदी आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने की नई पहल शुरू हो गई है। परियोजना के तहत सोनिया विहार से जगतपुर तक करीब 4 किलोमीटर के क्षेत्र में क्रूज और फेरी सेवाएं विकसित की गई हैं।



दिल्ली के पर्यटन को पहचान मिली

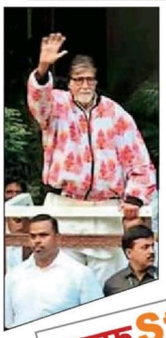
गुप्ता ने कहा कि नमो यमुना रिवर सफारी केवल क्रूज या नौका सेवा नहीं, बल्कि मां यमुना के प्रति आस्था, प्रेम और समर्पण का प्रतीक है। इससे दिल्लीवासी नदी के प्राकृतिक परिवेश को करीब से महसूस कर सकेंगे। उन्होंने परिवार के साथ यहां आने और बच्चों को यमुना के प्राकृतिक वातावरण से परिचित कराने की अपील की। गुप्ता ने कहा कि यह पहल दिल्ली के पर्यटन को नई पहचान देने के साथ राजधानी की सकारात्मक छवि मजबूत करेगी।

एक जुलाई से 30 सितंबर तक बंद रहेगी सेवा

परियोजना के तहत फिलहाल 30 यात्रियों की क्षमता वाला एक इलेक्ट्रिक क्रूज संचालित किया गया है। इसी क्षमता का दूसरा क्रूज फरवरी-मार्च 2027 तक शुरू करने की योजना है। पूरी यात्रा में करीब 35 से 45 मिनट लगेंगे। पर्यटक निर्धारित मार्ग पर नौका विहार के बाद शुरुआती स्थान पर लौट सकेंगे।

परिवार के मनोरंजन के लिए भी होंगी सुविधाएं

पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि रिवर सफारी दिल्ली में पर्यटन का नया अध्याय देगी। यहां म्यूजिकल फाउंटेन के जरिए भगवान श्रीकृष्ण की गाथा और यमुना की महिमा प्रस्तुत की जाएगी। बच्चों के लिए प्ले जोन, गेमिंग गतिविधियां, किड्जिया जोन और फूड कोर्ट भी विकसित किए गए हैं। यमुना किनारे इकोलॉजिकल ट्रेल्स और वॉकिंग ट्रेल्स बनाए गए हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए तटवर्ती टर्मिनल, दो प्लेटिंग जेट्टी, टिकट काउंटर, प्रतीक्षालय, पार्किंग और व्यावसायिक दुकानें बनाई गई हैं।



सिक्योरिटी थ्रेट भी नहीं रोक पाया बिग बी का संडे ट्रेडिशन

मुंबई। सिक्योरिटी थ्रेट और खराब सेहत से जुड़ी खबरों के बीच बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपना वर्षों पुराना संडे ट्रेडिशन जारी रखा। रविवार शाम अभिनेता अपने जुहू स्थित बंगले 'जलसा' के बाहर पहुंचे और वहां मौजूद प्रशंसकों से मुलाकात कर उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। हर रविवार की तरह इस बार भी शाम करीब 5:30 बजे अमिताभ बच्चन अपने घर से बाहर निकले। हालांकि, इस बार उनके बाहर आने का अंदाज पिछले सप्ताह से अलग रहा। पिछले रविवार जहां बिग बी सुरक्षा कारणों से बुलेटप्रूफ फ्रेम के पीछे नजर आए थे, वहीं इस बार वह बिना किसी बुलेटप्रूफ फ्रेम के प्रशंसकों के सामने आए।



हॉलीवुड मसाला



जेम्स बॉन्ड के लिए एक्टर्स का स्क्रीन टेस्ट

नई दिल्ली। जेम्स बॉन्ड की अगली कड़ी में डेनियल क्रेग की जगह लेने के लिए 5 हॉलीवुड एक्टर्स ने स्क्रीन टेस्ट दिया है। उनमें रॉबर्ट पैटिंसन, निकोलस होल्ट, जैक लोडेन, जोश ओ कॉनर और कैलम टर्नर का नाम शामिल है। निर्माताओं की मानें तो जेम्स बॉन्ड के किरदार के लिए इन्हीं पांच अभिनेताओं में से एक को चुना जा सकता है। 007 को पसंद करने वाले कई इंडियन फैंस का ये भी मानना है कि जेम्स बॉन्ड फ्रेंचाइजी फिल्म के निर्देशक डेनिस विलेन्यूवे ऋतिक रोशन को भी एमआई6 एजेंट बनाने पर विचार कर सकते हैं।

लाइफ Style



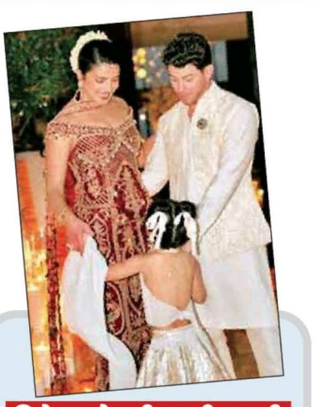
अनीत

अहान के परिवार के साथ मनाई दिवाली

एजेंसी ▶▶ मुंबई

'सैयारा' एक्ट्रेस अनीत पड्डा ने इस बार अपने को-एक्टर अहान पांडे के परिवार के साथ दिवाली मनाई। अहान की मां डीन पांडे ने इस सेलिब्रेशन की झलक साझा की है, जिसमें उनके साथ अनीत पड्डा भी नजर आ रही हैं। 'सैयारा' से अपना डेब्यू करने वाले अहान पांडे अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में है।

फिल्म की रिलीज के बाद से ही अहान अपनी को-स्टार अनीत पड्डा के साथ अपनी खास बॉन्डिंग को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। पिछले दिनों अनीत ने अहान पांडे और उनके परिवार के साथ अपना जन्मदिन मनाया था और अब दिवाली भी उन्होंने पांडे फैमिली के साथ ही सेलिब्रेट की। अहान पांडे की मां डीन पांडे ने सोशल मीडिया पर दिवाली सेलिब्रेशन की झलक साझा की है, जिसमें उनके साथ अनीत पड्डा भी नजर आ रही हैं। ये तस्वीर अब सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रही है। अनीत पड्डा अक्सर अहान पांडे के परिवार के साथ नजर आती रहती हैं और अब दिवाली सेलिब्रेशन के दौरान भी वह पांडे परिवार के साथ नजर आईं। डीन पांडे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर दिवाली सेलिब्रेशन की झलकियां साझा की हैं, जिसमें उनके साथ अनीत भी पोज देती दिखीं। एक सेल्फी में जहां अनीत सिर पर दुपट्टा ओढ़े मुस्कुराती नजर आ रही हैं, जबकि डीन ने पाउट बना रखा है। वहीं एक अन्य तस्वीर में गुलाबी रंग का सूट पहने अनीत, डीन और अन्य महिलाओं के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। पिछले दिनों अनीत पड्डा अहान की बहन अलाना पांडे के बेबी शावर में भी शामिल हुई थीं, जहां पांडे परिवार के सदस्यों के साथ उनकी जबरदस्त बॉन्डिंग देखने को मिली।



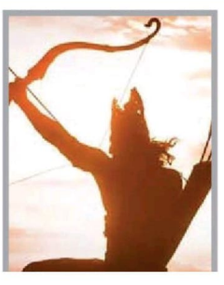
विदेश में भी नही भूलीं भारतीय संस्कृति...

नई दिल्ली। प्रियंका चोपड़ा ने भी बाकी सेलेब्स की तरह ही दिवाली मनाई। पति निक जोनस और बेटी मालती के साथ एक्ट्रेस ने दिवाली की ढेर सारी फोटोज शेयर की हैं। विदेश में भी वो अपनी भारतीय संस्कृति को नहीं भूली हैं। प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में लॉस एंजिल्स स्थित अपने घर पर आयोजित एक पार्टी की तस्वीरें शेयर करते हुए अपने फैंस को दिवाली की शुभकामनाएं दी हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस अपने पति निक जोनस और अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस के साथ नजर आ रही हैं। उन्होंने बरगंडी और सुनहरे रंग का स्ट्रैपलेस गाउन पहना था, जिस पर जरदोजी, मोतियों का काम और सुनहरे धागों की कढ़ाई की गई थी।



सोनू के बेटे निवान ने किया म्यूजिक डेब्यू

मुंबई। सोनू निगम के बेटे निवान भी अब म्यूजिक इंडस्ट्री में अपने कदम जमाने की तैयारी में जुट गए हैं और ये गुड न्यूज खुद सोनू निगम ने शेयर की है। उन्होंने एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि उनके 19 साल के बेटे ने 'स्लाइड' के जरिए म्यूजिक डेब्यू किया है। दिवाली पर सोनू निगम ने एक पोस्ट शेयर करते हुए अपने फैंस के साथ एक गुड न्यूज शेयर की है। सोनू निगम ने अपने हालिया पोस्ट में बताया है कि उनके 19 साल के बेटे निवान ने उनकी पहली शॉर्ट फिल्म 'स्लाइड' के जरिए म्यूजिक की दुनिया में कदम रख दिए हैं। इस फिल्म में निवान ने म्यूजिक दिया है, जिसे लेकर सिंगर बेहद खुश हैं। सोनू निगम ने अपनी पत्नी मधुरिमा निगम के साथ एक जॉइंट पोस्ट शेयर करते हुए ये खुशखबरी शेयर की और निवान में पिछले कुछ सालों में आए बदलावों के बारे में भी बताया।



वर्ल्डवाइड 5 दिन में कमाए 663.90 करोड़ ...

नई दिल्ली। रणबीर कपूर की 'रामायण: पार्ट 1' ने बॉक्स ऑफिस पर एक और बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। रिलीज के पांच दिनों के भीतर ही इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन लगभग 663.90 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने दिवाली के बाद भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। इसने किसी भारतीय फिल्म द्वारा पहले सोमवार को की गई सबसे बड़ी कमाई का नया रिकॉर्ड बनाया है और रणबीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2' की सोमवार की कमाई को भी पीछे छोड़ दिया है। ओपनिंग वीकेंड पर शानदार शुरुआत के बाद फिल्म की कमाई सोमवार को कम होने के बजाय और बढ़ गई है। 'रामायण' ने सिनेमाघरों में अपने पांचवें दिन 23,911 शोज के जरिए 107.50 करोड़ रुपए (नेट) की कमाई की।

टीवी मसाला



कॉफी विद करण 9 में सिद्धार्थ कियारा ने खोले कई राज

नई दिल्ली। बॉलीवुड के पावर कपल सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। वजह है करण जौहर का पॉपुलर टैट शो कॉफी विद करण सीजन 9', जहां दोनों अगले एपिसोड में एक साथ दिखने वाले हैं। शादी के बंधन में बंधने और अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी के अनाउंसमेंट के बाद यह इस जोड़ी का पहला ऑन-स्क्रीन टीवी अपीयरेंस है। सामने आए वीडियो में प्रेग्नेंट कियारा आडवाणी बेहद खूबसूरत लग रही हैं। सिद्धार्थ और कियारा ने पहली बार किसी टॉक शो में बतौर पेरेंट्स-टू-बी एक साथ खुलकर अपने दिल की बात रखी है। सबसे पहले कियारा आडवाणी बताती दिखीं कि उनकी शादी में करण जौहर ने किस ताने में डांस किया था। वो बताती हैं कि शादिद ने सोचा कि तुम्हें कंपनी देने और तुमने उसे धक्का मार कर वहां से हटा दिया। जिसके बाद करण जौहर अपना चेहरा छिपाते हुए बिस्वे। रोल प्ले को लेकर सिद्धार्थ ने कहा कि हम अपना काम घर पर नहीं लाते हैं। खासकर बेडरूम में तो बिल्कुल भी नहीं लाते। प्रोमो की शुरुआत से ही कियारा का स्टनिंग लुक और उनका बेशफुल अंदाज लोगों का ध्यान खींच रहा है। प्रेग्नेंसी के फेज में कियारा का यह ग्लैमरस अवतार फैंस को बहुत पसंद आ रहा है। शो के दौरान दोनों ने अपनी शादी की कुछ अनसुनी यादें ताजा कीं। और एक-दूसरे के छोटे-छोटे सीक्रेट्स सबके सामने रखे। सोशल मीडिया पर यह प्रोमो आते ही ट्रेंड करने लगा है। और दर्शक इस पूरे एपिसोड के टेलीकास्ट होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कप्तानी टास्क के दौरान हाथापाई!

नई दिल्ली। भारतीय टेलीविजन के सबसे चर्चित और विवादित रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' के घर में हर गुजरते दिन के साथ हंगामा बढ़ता ही जा रहा है। कप्तानी टास्क के दौरान घर के दो मजबूत कंटेस्टेंट्स स्काउट और यंग डीएलए के बीच तीखी बहस के बाद हाथापाई और धक्का-मुक्की होने की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। जानकारी के मुताबिक, कप्तानी टास्क के दूसरे राउंड में उदिति रोथोट चेयर पर बैठी थीं। टीम-ए का मकसद उदिति को रुलाना था। उदिति को इमोशनल करने के लिए स्काउट ने उनकी पारिवारिक तस्वीर के कोने को हल्का सा जला दिया। इस टास्क के दौरान गुत्थू और यंग लगातार स्काउट के फर्फॉर्मेंस के बीच में आ रहे थे और कमेंट्स कर रहे थे। स्काउट ने दोनों को बार-बार दूर रहने की चेतावनी दी, लेकिन यंग ने कमेंट करना बंद नहीं किया।

भाई-बहन के प्यार का खूबसूरत गीत, 41 साल पहले बेबी लता ने गाया था 'भैया दूज सुहानी'

नई दिल्ली। दिवाली का त्योहार खत्म होने के बाद अब भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का प्रतीक भैया दूज मनाया जाएगा। इस खास दिन पर बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र और खुशहाली की कामना करती हैं। भाई-बहन के इसी खूबसूरत रिश्ते को भारतीय सिनेमा ने भी कई गीतों के जरिए पर्दे पर उतारा है। ऐसा ही एक सदाबहार गाना है, जो आज से 41 साल पहले रिलीज हुआ था और आज भी भैया दूज के मौके पर याद किया जाता है।

1983 में आई थी फिल्म नवरात्रि

भैया दूज के महत्व और भाई-बहन के प्रेम को दर्शाने वाला यह गाना साल 1983 में आई फिल्म नवरात्रि का है। 'भैया दूज सुहानी' बोल वाले इस गीत में त्योहार की परंपराओं और उससे जुड़ी भावनाओं को खूबसूरती से पिरोया गया है। इस गाने को अपनी सुरीली आवाज देने वाली गायिका हेमलता हैं। दिलचस्प बात यह है कि हेमलता को हिंदी सिनेमा में 'बेबी लता' के नाम से भी पहचाना जाता है। दरअसल, उनकी आवाज में स्वर कोकिला लता मंगेशकर जैसी समानता महसूस की जाती थी। यही वजह रही कि कई लोग उनकी गायिकी को लता जी की आवाज से जोड़कर देखते थे। फिल्म 'नवरात्रि' का यह गीत भी हेमलता की मधुर आवाज की वजह से श्रोताओं के दिलों में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहा।



रवींद्र ने लिखे ये खूबसूरत बोल : इस खुशाहार गीत को यादगार बनाने में संगीतकार और गीतकार रवींद्र जैन की भी अहम भूमिका रही। उन्होंने ही 'भैया दूज सुहानी' के बोल लिखने के साथ इसकी धुन भी तैयार की थी। हेमलता की आवाज और रवींद्र जैन के संगीत का यह मेल गीत को एक अलग पहचान देता है। रिलीज के 43 साल बाद भी यह गाना भाई-बहन के रिश्ते की मिठास और भैया दूज की परंपरा को याद दिलाता है।

लोकधुन और त्योहार की परंपरा का सुंदर मेल

'भैया दूज सुहानी' की खासियत सिर्फ इसके बोल या गायिकी तक सीमित नहीं है। इस गीत में भैया दूज से जुड़ी धार्मिक मान्यताओं, पारंपरिक रीति-रिवाजों और लोकसंगीत की झलक को देखने-सुनने को मिलती है। इसकी धुन और शब्द त्योहार के पारंपरिक रंग को जीवंत कर देते हैं। यही कारण है कि इसे महज एक फिल्मी गाना नहीं, बल्कि भैया दूज की भावना से जुड़ा पारंपरिक गीत भी माना जाता है।

कपूर फैमिली की दिवाली पार्टी में कफ्तान पहनकर पहुंचीं बेबो

नई दिल्ली। सोनी राजदान ने हाल ही में कपूर फैमिली की दिवाली पार्टी की झलक शेयर की, जिसमें पूरा परिवार साथ-साथ दिवाली सेलिब्रेट करता दिखा। लेकिन, हर किसी की निगाहें करीना कपूर के लुक पर ठहर गईं, जो दिवाली पार्टी पर एक नया ही अवतार फ्लॉन्ट करती दिखीं। दिवाली पर बॉलीवुड सेलेब्स के एक से बढ़कर एक लुक देखने को मिले। आलिया भट्ट ने जहां पिस्ता ग्रीन लहंगे में सुर्खियां बटोरीं तो वहीं श्रद्धा कपूर से बटरी येलो अनारकली सूट में अपनी सादगी से सबके दिल जीत लिए। अब करीना कपूर ने भी अपने दिवाली लुक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं और अपने अलग अंदाज से हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। करीना कपूर खान पिछली रात कपूर खानदान की दिवाली पार्टी में शामिल हुईं, जहां पूरा परिवार साथ-साथ मौजूद था। इस दिवाली पार्टी के लिए करीना ने साड़ी, लहंगा या सूट नहीं, कफ्तान पहना था और अपने लुक को उन्होंने पगड़ी से कम्प्लीट किया, लेकिन सबकी नजरें पगड़ी पर नहीं कलमी पर टिक गईं। करीना कपूर अपने परिवार के दिवाली सेलिब्रेशन में बेहद खास अंदाज में पहुंचीं। उनका ये फेस्टिव लुक रिया कपूर ने तैयार किया था। करीना ने ट्रेडिशनल आउटफिट की जगह कुछ अलग चुना और पुरानी



चलाना का बेज कलर का कफ्तान पहना, जिस पर चांदी के धागों से बेहद खूबसूरत जाल लुमा कढ़ाई की गई थी। करीना ने इसके साथ मैचिंग पगड़ी पहनी थी, जिस पर रुमालमती कलगी लगी थी। 'डाइट सब्या' के अलुसार, पटौदी खानदान में इस कलगी का बेहद खास महत्व है, ये सीधे तौर पर सैफ अली खान के परिवार की विरासत से जुड़ी है। अभिनेता ने ये कलगी अपनी शादी में भी पहनी थी। करीना ने अपने लुक को गोल्ड चोकर, पन्ने वाले पेंडेंट नेकलेस और स्टेटमेंट जूलरी के साथ पूरा किया। जैसे ही करीना कपूर खान ने अपना ये लुक सोशल मीडिया पर शेयर किया।

मशहूर तुर्की ड्रामा 4 एपिसोड के साथ आ रहा है वापस

ओटीटी पर रिलीज होंगी ये फिल्में-सीरीज, लगेगा मनोरंजन का मेला

नई दिल्ली। दिवाली के बाद अब ओटीटी पर धमाका होने वाला है। त्यौहार के सीजन के बाद बिल्कुल भी बोरियत नहीं होगी, क्योंकि इस हफ्ते घर बैठे आप कई फिल्मों और शोज का आनंद ले सकते हैं।

पारिवारिक मनोरंजन

पंकज त्रिपाठी और अदिती राव हैदरी स्टारर पारिवारिक मनोरंजन इस हफ्ते ओटीटी पर दस्तक देगी। यह फिल्म 13 नवंबर को सोनी लिव पर रिलीज होगी।

बांद्रा

एक उभरता हुआ फिल्म निर्माता 1990 के दशक की बॉलीवुड स्टार तारा जानवी (तमन्ना भाटिया) की संदिग्ध मौत की जांच करता है। फ्लैशबैक के जरिए हमें पता चलता है कि वह अंडरवर्ल्ड से जुड़े एक क्रूर प्रोड्यूसर के संगुल से बचकर केरल भाग गई थी, जहां उसने आला (दिलीप) नाम के एक प्रभावशाली व्यवसायी के यहां शरण ली थी। यह फिल्म 13 नवंबर को जीप पर स्ट्रीम होगी।



इथोस सीजन 2

मशहूर तुर्की ड्रामा 4 एपिसोड के साथ वापस आ रहा है, जो पहले सीजन की घटनाओं के छह साल बाद की कहानी दिखाते हैं। यह अलग-अलग पृष्ठभूमि वाले उन लोगों के इर्द-गिर्द घूमता है, जिनकी राहें अनजाने में एक-दूसरे से टकराती हैं और जिनकी कहानियां एक थेरेपी रूम में आकर मिलती हैं। यह सीजन 12 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगा।

द एंप्रेस सीजन 3

लोकप्रिय हिस्टोरिकल ड्रामा द एंप्रेस का तीसरा सीजन 12 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगा। इस सीजन में टोटल 6 एपिसोड होंगे।

जेलर 2 : रजनीकांत की जेलर 2 थिएटर के बाद अब ओटीटी पर रिलीज होने के लिए तैयार है। कहानी केरल में छिपे बैठे रिटायर्ड जेलर 'टाइगर' मुथुवेल पांडियन को तब खींचकर लाना पड़ता है, जब मूर्तियों की तस्करी करने वाला एक खेरल निरोध उसके पीछे पड़ जाता है। अपने परिवार को बचाने के लिए, वह इस विरोध के कामकाज को निशाना बनाता है और सोचता है कि ताकतवर 'कल्पक' ताइफन परिवार का सामना करने के लिए अपने पुराने साथियों के साथ हाथ मिला लेता है। फिल्म 12 नवंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

द रिंग्स ऑफ पावर सीजन 3

एरेगियन के पतन के पांच साल बाद, मिडिल-अर्थ युद्ध की चपेट में है, क्योंकि सौरॉन की सेनाएं लगातार आगे बढ़ रही हैं। खजाद-डुम, लिंडन और रिवेंडेल अपने तीन रिंग्स की सुरक्षा में हैं और ये उन कुछ गढ़ों में से हैं जो ध्रुवी लॉर्ड और उसकी पूरी तरह से जीत के बीच अभी भी डटे हुए हैं। सीजन 3 प्राइम वीडियो पर 11 नवंबर को रिलीज होगा।

ब्लाइंड गेम

जब एक दोस्त की नाकाम डकैती और एक आत्महत्या कई प्रश्नों को जन्म देते हैं, तो सस्पेंड हो चुके ऑफिसर सिकंदर सिंह खुद को लालच और धोखे के एक खतरनाक जाल में फंसा हुआ पाते हैं। मनाली में सेट यह सस्पेंस थ्रिलर सिकंदर की कहानी है, जो गायब हुए खजाने का पता लगाने और इस रहस्य के पीछे छिपे मास्टरमाइंड को बेनकाब करने के मिशन पर निकलता है। यह फिल्म जी5 पर 11 नवंबर को रिलीज होगी।

मांदर की थाप पर थिरके कदम, करमा महोत्सव में दिखी जनजातीय संस्कृति की अनुपम छटा

★ जनजातीय संस्कृति, परम्पराओं एवं लोक कलाओं के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल ★ विकासखंड स्तर पर प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले लोकनृत्य दल जिला स्तरीय महोत्सव में देंगे प्रस्तुति



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जनजातीय समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक लोककला एवं लोकसंस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में विकासखंडस्तरीय करमा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिले के प्रतापपुर एवं सूरजपुर, भैयाथान विकासखंड में विकासखंड स्तरीय करमा महोत्सव का आयोजन उत्साह एवं उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, जनजातीय समाज के सदस्यों एवं बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता निभाई।

महोत्सव में जनजातीय संस्कृति की अनुपम छटा देखने को मिली। पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों ने मांदर की थाप पर करमा नृत्य और लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। लोक धुनों की मधुर लय एवं कलाकारों के उत्साहपूर्ण प्रदर्शन ने पूरे वातावरण को सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया। उपस्थित



दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

जनजातीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण का सशक्त माध्यम बना करमा महोत्सव

करमा पर्व जनजातीय समाज की आस्था, प्रकृति के प्रति सम्मान, सामुदायिक एकता एवं पारंपरिक जीवनशैली का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से जहां नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों, रीति-रिवाजों एवं पूर्वजों की समृद्ध विरासत से जुड़ने का अवसर मिलता है, साथ ही स्थानीय लोक कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच भी उपलब्ध होता है। महोत्सव के माध्यम से जनजातीय लोककला एवं परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का संदेश दिया गया।

चार स्तर पर आयोजित किया जा रहा जनजातीय लोकनृत्य महोत्सव

उल्लेखनीय है कि राज्य शासन के निर्देशानुसार जनजातीय समाज के पारंपरिक लोकनृत्य एवं लोकगीतों के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से उत्तर छत्तीसगढ़ क्षेत्र जनजातीय लोकनृत्य महोत्सव (करमा महोत्सव) 2026 का आयोजन ग्राम पंचायत, विकासखंड, जिला एवं राज्य स्तर पर किया जा रहा है। जनजातीय गौरव सप्ताह के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में जिले में महोत्सव के सुव्यवस्थित एवं सफल आयोजन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गयी हैं।

चयनित लोकनृत्य दल जिला स्तरीय महोत्सव में करेंगे प्रतिभा का प्रदर्शन

विकासखंड स्तरीय महोत्सव में प्रदर्शन के आधार पर प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले जनजातीय लोकनृत्य दलों को जिला स्तरीय करमा महोत्सव में अपनी कला एवं प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। जिला स्तर पर चयनित उत्कृष्ट लोकनृत्य दलों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा साथ विजेता प्रतिभागियों को राज्य स्तर पर प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा।

पटवारियों की हड़ताल को कांग्रेस का समर्थन, आंदोलन स्थल पहुंचकर शशि सिंह ने दिया साथ का भरोसा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे पटवारियों को जिला कांग्रेस कमेटी का समर्थन मिला है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह एवं जिला महामंत्री संजय डोसी ने हाईटेक बस स्टैंड सूरजपुर पहुंचकर धरनारत पटवारियों से मुलाकात की और उनके आंदोलन को समर्थन देते हुए उनकी मांगों के प्रति एकजुटता जाहिर की।



इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने पटवारियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं एवं मांगों की जानकारी ली। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह ने कहा कि पटवारी राजस्व व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में आम नागरिकों को राजस्व संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराने में उनकी अहम भूमिका होती है। ऐसे में उनकी समस्याओं और मांगों पर शासन-प्रशासन को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अपनी जायज मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे पटवारियों के साथ कांग्रेस पार्टी खड़ी है। उनकी समस्याओं का निराकरण संवाद और सकारात्मक पहल के माध्यम से किया जाना चाहिए, ताकि आंदोलन का समाधान निकल सके और आम जनता को भी राजस्व संबंधी कार्यों में परेशानी का सामना न करना पड़े।

इस अवसर पर महामंत्री संजय डोसी ने भी पटवारियों के आंदोलन के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए उनकी मांगों पर शासन से संवेदनशीलता के साथ विचार करने की अपेक्षा जताई। कांग्रेस नेताओं ने आंदोलनरत पटवारियों को भरोसा दिलाया कि उनकी आवाज को बुलंद करने में पार्टी उनके साथ खड़ी रहेगी। इस दौरान बढ़ी संख्या में आंदोलनरत पटवारी व संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे। पटवारी संघ ने अपनी मांगों का पत्र जिलाध्यक्ष को भी प्रदान कर मांगो से अवगत कराया।

विष्णु के पाती से सोनकुमारी प्रजापति को मिला प्रोत्साहन, मुख्यमंत्री के आत्मीय संदेश ने बढ़ाया हौसला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मिट्टी को आकार देकर दीये, गुल्लक और मटके बनाने वाली ग्राम केशवनगर की सोनकुमारी प्रजापति आज अपने हुनर से आत्मनिर्भरता की राह गढ़ रही हैं। महिला स्व-सहायता समूह से जुड़कर वे पारंपरिक मिट्टी कला को आजीविका का माध्यम बना रही हैं। सोनकुमारी के प्रयास और मेहनत को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की विष्णु के पाती पहल के माध्यम से सराहना और प्रोत्साहन मिला है।

मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा सोनकुमारी को लिखे गए आत्मीय पत्र में उनके कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें इसी तरह आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया गया है। मुख्यमंत्री का पत्र प्राप्त होने पर सोनकुमारी की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने भावुक होकर कहा कि उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि प्रदेश के मुख्यमंत्री की ओर से उन्हें व्यक्तिगत रूप से पत्र मिलेगा। यह उनके लिए बेहद खुशी और गर्व का क्षण है। सोनकुमारी ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका प्रोत्साहन उन्हें और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगे भी उन्हें ऐसा ही आशीर्वाद और मार्गदर्शन मिलता रहेगा, जिससे उनका व्यवसाय निरंतर आगे बढ़ सके।

उल्लेखनीय है कि विष्णु के पाती के माध्यम से मुख्यमंत्री का यह प्रयास प्रदेश की उन महिलाओं के हुनर, परिश्रम और उपलब्धियों को सम्मान देने का माध्यम बन रहा है, जो छोटे-छोटे प्रयासों से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम कर रही हैं।

धान खरीदी के लिए टोकन जारी होना शुरू, 15 नवंबर से उपार्जन केंद्रों में होगी समर्थन मूल्य पर खरीदी

जिले के उपार्जन केंद्रों में तैयारियां तेज, किसानों की सुविधा, पारदर्शी खरीदी और सुव्यवस्थित व्यवस्था पर फोकस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत 15 नवंबर से होने जा रही है। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में धान खरीदी को सुचारू, व्यवस्थित और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि खरीदी प्रारंभ होने के साथ ही किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

जिले में इस वर्ष धान विक्रय के लिए कुल 68531 किसानों ने पंजीयन कराया है। पंजीकृत किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 10 नवंबर से धान विक्रय के लिए टोकन जारी करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। टोकन जारी होने के पहले दिन आज कुल 64 किसानों को टोकन जारी किया गया। टोकन व्यवस्था के माध्यम से किसानों को निर्धारित तिथि पर अपनी उपज उपार्जन केंद्रों में लाने की सुविधा मिलेगी, जिससे केंद्रों में धान की आवक व्यवस्थित रहेगी और अनावश्यक भीड़ से बचा जा सकेगा।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशन में संबंधित विभागों एवं समितियों द्वारा उपार्जन केंद्रों में व्यवस्थाओं की तैयारी की जा रही है। केंद्रों में धान की आवक, तौल, भंडारण एवं परिवहन को ध्यान में रखते हुए आवश्यक इंतजाम किया जा रहा हैं। किसानों के लिए छाया, पेयजल, बैठने की व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

धान खरीदी केंद्रों में इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीनों का सत्यापन, बारदाने की उपलब्धता, नमी मापक यंत्र, कंप्यूटर एवं इंटरनेट कनेक्टिविटी सहित खरीदी से संबंधित आवश्यक उपकरणों की जांच की जा रही है। इसके साथ ही उपार्जित धान के सुरक्षित भंडारण के लिए चबूतरा, कैप कव्हर एवं अन्य व्यवस्थाओं को भी दुरुस्त किया जा रहा है।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने खरीदी प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने किसानों के पंजीयन, टोकन व्यवस्था और खरीदी से संबंधित प्रक्रियाओं को सुचारू बनाए रखने के साथ ही सभी उपार्जन केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने को कहा है। धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने तथा किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने के निर्देश दिए गए हैं।

15 नवंबर से शुरू होने वाली धान खरीदी को लेकर जिला प्रशासन की तैयारियां जारी हैं। प्रशासन का प्रयास है कि किसानों को अपनी उपज विक्रय करने के लिए सहज और सुविधाजनक वातावरण मिले तथा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य पारदर्शिता एवं सुचारू व्यवस्था के साथ संपन्न हो।

बच्चों की मुस्कान के बीच मना मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का जन्मदिन, आंगनबाड़ी में साझा किया न्योता भोज

★ नन्हे बच्चों ने गीत और कविताओं से दी बधाई; मंत्री ने अपने हाथों से परोसा भोजन और उनके साथ बैठकर किया भोजन ★ टॉफियां और उपहार पाकर खिल उठे बच्चों के चेहरे, स्वच्छता और अच्छी आदतों का दिया संदेश





प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जन्मदिन की खुशियां अपनों के बीच मनाई जाती हैं, लेकिन जब इन खुशियों में बच्चों की मुस्कान जुड़ जाए तो वह दिन और भी खास बन जाता है। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अपना जन्मदिन सूरजपुर जिला के ग्राम लटोरी के नवापारा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र के नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ मनाया। न्योता भोज के इस आत्मीय आयोजन में उन्होंने बच्चों को अपने हाथों से भोजन परोसा और उनके साथ पंगत में बैठकर भोजन किया। इस अवसर पर प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी भी मौजूद रहे।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े के आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचते ही बच्चों ने एक स्वर में हैप्पी बर्थडे टू यू गाकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। बच्चों के इस स्नेहपूर्ण स्वागत से आयोजन में अपनत्व और उल्लास घुल गया। मंत्री ने बच्चों के बीच बैठकर उनसे बातचीत की, उनके नाम पूछे और उन्हें अपनी बातें साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। बच्चों ने पूरे उत्साह से अपना परिचय दिया।

बातचीत के दौरान बच्चों ने मछली जल की रानी है, आलू कचालू और तितली रानी जैसी बाल कविताएं सुनाईं। नन्हे बच्चों की प्यारी प्रस्तुतियों पर मंत्री ने तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया। जब उन्होंने पूछा कि आंगनबाड़ी में रोज कौन-कौन आता है, तो बच्चों ने मुस्कुराते हुए हाथ उठाकर जवाब दिया। उनकी सहजता और आत्मविश्वास ने वहां मौजूद सभी लोगों का मन मोह लिया। बच्चों के साथ संवाद में मंत्री ने स्वच्छता की अच्छी आदतों पर भी बात की। उन्होंने पूछा कि चॉकलेट खाने के बाद उसका रैपर कहां डालना चाहिए। बच्चों ने एक साथ कहा डस्टबिन में। मंत्री ने उनकी सराहना की और आसपास साफ-सफाई रखने की सीख दी।

बच्चों के साथ बैठकर किया भोजन

न्योता भोज में बच्चों के लिए चावल, दाल, खीर, पूड़ी, छोला और मुनगा भाजी सहित कई व्यंजन परोसे गए। भोजन से पहले बच्चों ने सामूहिक रूप से भोजन मंत्र का पाठ किया। इसके बाद मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने स्वयं बच्चों को भोजन परोसा और उनके साथ जमीन पर बैठकर भोजन ग्रहण किया। बच्चों के बीच बैठकर भोजन साझा करने का यह सहज दृश्य आयोजन की सबसे आत्मीय झलक बना।

भोजन के बाद मंत्री ने बच्चों को टॉफियां और उपहार भेंट किया। उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। जन्मदिन के अवसर पर बच्चों के साथ बिताए गए इन पलों ने आयोजन को स्नेह और आत्मीयता से भर दिया। आंगनबाड़ी केंद्रों में न्योता भोज का उद्देश्य समुदाय को बच्चों के पोषण, देखभाल और समग्र विकास से जोड़ना है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अपना जन्मदिन बच्चों के बीच मनाकर इस पहल में सहभागिता का संदेश दिया। बच्चों के गीत, कविताएं और उनकी खिलखिलाहट इस दिन की ऐसी याद बन गईं, जिसमें जन्मदिन की खुशी बच्चों के साथ साझा हुई।

पति के जाने के बाद भी नहीं हारी हिम्मत, मेहनत से लिखी आत्मनिर्भरता की कहानी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। एक मां के लिए अपने बच्चों का भविष्य ही सबसे बड़ी प्रेरणा होता है। जीवन के कठिन दौर में पति का साथ छूटने के बाद विकासखंड सूरजपुर के ग्राम सोनागढ़ की अमृता प्रजापति के सामने परिवार की जिम्मेदारी और बच्चों की परवरिश की चुनौती थी। लेकिन उन्होंने परिस्थितियों के आगे हार नहीं मानी, बल्कि अपने हौसले को ताकत बनाकर नई शुरुआत की।

सक्षम योजना के तहत ऋण लेकर अमृता ने दुकान शुरू की और सिलाई का काम भी अपनाया। अपनी मेहनत से उन्होंने न केवल परिवार को आर्थिक सहारा दिया, बल्कि बच्चों की पढ़ाई भी निरंतर जारी रखी। आज उनका सबसे बड़ा प्रयास अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर उनके सपनों को पूरा करना है। अमृता के इसी संघर्ष और आत्मनिर्भरता के सफर के बीच मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की 'विष्णु के पाती' एक खास भावनात्मक पल बनकर आई। मुख्यमंत्री की ओर से व्यक्तिगत रूप से पत्र मिलने पर अमृता भावुक और अभिभूत हैं। यह पत्र उनके संघर्ष, मेहनत और मातृत्व के संकल्प को मिला सम्मान है। अमृता ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार जताया और कहा कि विष्णु भैया का पत्र पाकर उन्हें बहुत खुशी हुई है। उन्होंने इस आत्मीय पहल के लिए मुख्यमंत्री को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया।



6 नवीन उपार्जन केंद्रों से किसानों को मिलेगी सहूलियत, नजदीकी केंद्रों में बेच सकेंगे अपनी उपज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत जिले में 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होने जा रही है। इस वर्ष जिले के कुल 60 धान उपार्जन केंद्रों में किसानों से धान की खरीदी की जाएगी। किसानों की सुविधा और उपज विक्रय के लिए दूरी कम करने के उद्देश्य से जिले में 6 नवीन उपार्जन केंद्र भी निर्धारित किया गया हैं। जिसमें तिवारागुड़ी, रामतीर्थ, बड़सरा, बुंदिया, जजावल एवं दुलदुली शामिल है। नये केन्द्र बन जाने से कुल 2 हजार 8 सौ 13 किसानों की सहूलियत मिलेगी। नवीन उपार्जन केंद्रों के प्रारंभ होने से आसपास के गांवों के किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए दूरस्थ केंद्रों तक नहीं जाना पड़ेगा। इससे किसानों का समय और परिवहन खर्च बचेगा। साथ ही पहले से संचालित उपार्जन केंद्रों पर भी किसानों का दबाव कम होगा और धान विक्रय की प्रक्रिया अधिक सुगम हो सकेगी। शासन द्वारा किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए उपार्जन केंद्रों का विस्तार किया गया है। जिले में 15 नवंबर से शुरू होने वाली धान खरीदी को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं, ताकि किसानों को उपज विक्रय के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। नए केंद्रों के जुड़ने से विशेषकर ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के किसानों को धान विक्रय में सुविधा होगी।

5.22 करोड़ के वृहद पुल का भूमिपूजन बरसात में टूटता संपर्क अब होगा स्थायी

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। मुकुंदपुर से बलसोत्ता को जोड़ने वाले बहुप्रतीक्षित वृहद पुल का भूमिपूजन बुधवार को कोड़िया नाला के पास संपन्न हुआ। पीएमजीएसवाई योजना के तहत बनने वाले इस 120 मीटर लंबे पुल पर 522.08 लाख रुपये खर्च होंगे। भूमिपूजन के साथ ही क्षेत्र के लोगों की वर्षों पुरानी मांग पूरी होने की दिशा में बड़ा कदम उठ गया है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल शामिल हुए। उन्होंने भूमिपूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत खड़गवां की





अध्यक्ष श्याम बाई मरकाम, उपाध्यक्ष विरेन्द्र सिंह करियाम, जिला पंचायत सदस्य रामजीत लकड़ा और प्रिया मसराम, मुकुंदपुर सरपंच विजय सिंह और जनपद सदस्य सीतावंती भी उपस्थित रहीं। जिला प्रशासन और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण भी कार्यक्रम में पहुंचे। बरसात में क्यों जरूरी है यह पुल मुकुंदपुर से बलसोत्ता मार्ग पर कोड़िया नाला बरसात में सबसे बड़ी बाधा बन जाता है। स्कूली बच्चों, मरीजों, किसानों और रोज काम पर जाने वालों को घंटों इंतजार करना पड़ता था, कई बार लंबा चक्कर लगाना पड़ता था। नया पुल बनने के बाद यह समस्या स्थायी रूप से खत्म हो जाएगी। हर मौसम में निर्बाध आवागमन होगा। गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय, बाजार, स्कूल और अस्पताल से और मजबूत होगा। किसानों को अपनी उपज मंडी तक पहुंचाने में भी आसानी होगी। और मुकुंदपुर, बलसोत्ता सहित आसपास के दर्जनों गांवों को सीधा लाभ मिलेगा। आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस और अन्य वाहनों की आवाजाही बिना रुके हो सकेगी। क्षेत्र में व्यापार, रोजगार और विकास की गतिविधियों को भी गति मिलेगी। ग्रामीणों ने भूमिपूजन पर खुशी जताई और कहा कि पुल बनने से उनका बरसात का संघर्ष खत्म होगा। प्रशासन ने निर्माण कार्य को गुणवत्ता और समय सीमा के साथ पूरा कराने का भरोसा दिलाया।

दो पटवारी के निलंबन पर भाजपा सरकार पर पूर्व विधायक ने उठाया सवाल

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। एमसीबी जिले के चिरमिरी में पदस्थ पटवारी प्रभाकर कुमार एवं खड़गवां में पदस्थ पटवारी चंद्र विजय साहू के निलंबन को लेकर पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने भाजपा सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में यही भाजपा नेता और वर्तमान सरकार पटवारियों की मांगों का समर्थन करते हुए उनके हितैषी बनने का दिखावा कर रहे थे। आज प्रदेश में भाजपा की सरकार है, तो पटवारियों की जायज मांगों को पूरा करने के बजाय उन्हें निलंबित किया जा रहा है। पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने सवाल उठाया कि आखिर भाजपा नेताओं के उस समय के वादे और समर्थन आज कहां चले गए? क्या सत्ता में आने



के बाद पटवारियों के प्रति सरकार की सोच बदल गई है ? पटवारियों की समस्याओं का समाधान संवाद और मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेकर होना चाहिए, न कि निलंबन की कार्रवाई से। सरकार को दमनात्मक रवैया छोड़कर पटवारियों की मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

लापरवाही और कारण बताओ नोटिस का जवाब नहीं देने पर पटवारी निलंबित

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। तहसील चिरमिरी में पदस्थ पटवारी प्रभाकर कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन आदेश अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय से जारी किया गया है।

आदेश के अनुसार प्रभाकर कुमार, पटवारी हल्का नंबर 02, तहसील चिरमिरी, जिला एमसीबी के विरुद्ध उनके पदस्थापना अवधि के दौरान विभिन्न प्रशासनिक, विभागीय तथा राजस्व संबंधी कार्यों के निष्पादन में की गई लापरवाही और अनियमितताओं के संबंध में कार्रवाई की गई है। इस संबंध में कार्यालय द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र क्रमांक 472, दिनांक 15 अक्टूबर 2026 जारी कर जवाब प्रस्तुत करने के लिए सूचित किया गया था। प्रभाकर कुमार द्वारा पत्र दिनांक 15 अक्टूबर 2026 के तहत जवाब प्रस्तुत करने के लिए 03 दिवस का समय दिया गया था। आदेश में कहा गया है कि आवेदित 03 दिवस की अवधि पूर्ण होने के बाद भी आज दिनांक तक उनके द्वारा जारी कारण बताओ सूचना पत्र के संबंध में कोई भी समाधानकारक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। उनका यह कृत्य एवं आचरण शासकीय सेवा नियमावली के पूर्णतः प्रतिकूल है। इसी आधार पर प्रभाकर कुमार को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए उनके विरुद्ध विभागीय जांच कार्यवाही संस्थित की गई है। निलंबन अवधि में प्रभाकर कुमार का मुख्यालय तहसील चिरमिरी (नाजिर शाखा) निर्धारित किया गया है। उन्हें निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान, के तहत ग्राम मुसरा में कांग्रेस ने लगाई जन चौपाल

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार चलाए जा रहे वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान के तहत ग्राम मुसरा में जन चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे एवं विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी की प्रमुख मांगों से ग्रामीणों को अवगत कराया गया।



जन चौपाल में पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों, वोट चोरी की आशंकाओं, मतदाताओं के नाम में परिवर्तन तथा व्यक्ति के नाम की जगह गांव या स्थान का नाम दर्ज होने जैसी विसंगतियों पर चर्चा की,उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक का मताधिकार बेहद महत्वपूर्ण है । मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि, नाम में बदलाव अथवा गलत प्रविष्टि से पात्र मतदाता अपने अधिकार से वंचित हो सकते हैं। इसलिए मतदाता सूची की शुद्धता, पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना आवश्यक है । उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपनी मतदाता सूची में नाम एवं अन्य विवरणों की जांच करें और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर निर्वाचन अधिकारियों के समक्ष आपत्ति दर्ज कराएं। इस अवसर पर जिला महामंत्री और प्रभारी रफीक मेमन, ब्लॉक अध्यक्ष ग्रामीण रामनरेश पटेल, सहित कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

6.41 करोड़ रुपये की लागत से स्वास्थ्य मंत्री ने किया दो सड़कों का भूमिपूजन

धनपुर-कोटया और बोडेमुड़ा-रतनपुर मार्ग से ग्रामीणों को मिलेगी बड़ी राहत

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़/खड़गवां (एमसीबी)। एमसीबी जिले के खड़गवां विकासखंड के ग्राम कोटया स्थित शासकीय प्राथमिक शाला पटेल बहरा में बुधवार को क्षेत्र के विकास को नई गति देने वाली दो महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न हुआ। भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल शामिल हुए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत स्वीकृत इन दोनों सड़क परियोजनाओं पर कुल 641.37 लाख रुपये यानी लगभग 6 करोड़ 41 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के कई गांवों के ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी और विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी।भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान संबंधित सड़क निर्माण कार्यों की प्रस्तावना पीएमजीएसवाई के ई ई द्वारा प्रस्तुत की गई। पहली सड़क धनपुर से कोटया व्हाया पटेल बहरा तक बनाई जाएगी। इसकी कुल लंबाई 5.40 किलोमीटर होगी और निर्माण पर 452.71 लाख रुपये की लागत आएगी। वहीं दूसरी सड़क बोडेमुड़ा से रतनपुर व्हाया सरनापारा तक 2.40 किलोमीटर लंबाई में बनाई जाएगी, जिसकी स्वीकृत लागत 188.660 लाख रुपये है। दोनों सड़कें ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं।

गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूरा हो निर्माण

भूमिपूजन अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि सड़क निर्माण केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास की महत्वपूर्ण कड़ी है। अच्छी सड़क बनने से ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, व्यापार और अन्य आवश्यक सुविधाओं तक पहुंचने में आसानी होती है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप और तय समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों को जून माह तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र में आठ बड़े ब्रिज स्वीकृत होने की जानकारी देते हुए कहा कि इन निर्माण कार्यों से क्षेत्र के आवागमन की व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

कोटया में शिविर लगाकर समस्याओं का करें निराकरण

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने केवल विकास कार्यों की जानकारी ही नहीं ली, बल्कि ग्रामीणों की स्थानीय समस्याओं और मांगों को लेकर भी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जनपद पंचायत खड़गवां के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को कोटया में विशेष शिविर लगाने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों की समस्याओं को एक ही स्थान पर सुनकर उनका निराकरण किया जा सके। वहीं वन अधिकार पट्टा से संबंधित लंबित प्रकरणों को लेकर संबंधित रेंजर को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

ग्रामीणों से बोले मंत्री- समस्याएं लेकर मेरे पास आइए

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि गांव के लोगों को अपनी समस्याएं लेकर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों से सवाल करते हुए कहा कि आखिर वे अपनी समस्याओं को लेकर उनके पास क्यों नहीं आते? उन्होंने कहा कि इस तरह के अवसर बार-बार नहीं मिलते हैं। यदि ग्रामीण अपनी समस्याओं को सामने रखेंगे, तभी उनका समाधान संभव हो पाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि गांवों की समस्याओं का निराकरण तभी होगा, जब ग्रामीण स्वयं आगे आकर अपनी बात रखेंगे। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे किसी भी समस्या को लेकर संकोच न करें और अपनी मांगों एवं परेशानियों से उन्हें अवगत कराएं।

8 नए पुल की भी मिली स्वीकृति

पीएमजीएसवाई के ई ई ने जानकारी दी कि खड़गवां क्षेत्र में आवागमन को सुगम बनाने के लिए आठ बड़े पुलों के निर्माण की स्वीकृति मिली है। पीएम-जनमन योजना के अंतर्गत प्रस्तावित इन आठ पुलों की कुल लंबाई 445 मीटर है, जिनके निर्माण पर लगभग 27 करोड़ 57 लाख रुपये खर्च होंगे। इन पुलों का निर्माण करवान, परसमुड़ा गंजपारा, मुगम-कर्मिपारा, करवा-कोडांगी, रतनपुर-बैगापारा, सिटगापारा-बेलबहरा, चिलबाहिरपारा और बरमोरा नाला क्षेत्र में प्रस्तावित है। इससे बरसात के दिनों में आवागमन की परेशानी कम होगी और ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क बेहतर होगा।

स्वामी आत्मानंद स्कूल में चोरी का पर्दाफाश

90 हजार का सामान बरामद

24 घंटे में आरोपी गिरफ्तार, दीपावली की छुट्टियों में स्कूल का ताला तोड़कर की थी चोरी



छ.ग.फ्रंटलाइन

जरही। सूरजपुर जिले के भटगांव थाना अंतर्गत शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय जरही में हुई चोरी की वारदात का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने चोरी के आरोप में जरही निवासी सूरज राजवाड़े को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे और निशानदेही पर करीब 90 हजार रुपये कीमत के चोरी गए शासकीय सामान बरामद किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, दीपावली के शासकीय अवकाश दौरान 7 नवंबर को आरोपी ने स्कूल का ताला तोड़कर लिपिक कक्ष, पुस्तकालय सहित अन्य स्थानों से कंप्यूटर सीपीयू, दो प्रिंटर, बैट, बैटरी, रजिस्टर और ए-4 पेपर के बंडल चोरी कर ली थी। 10 नवंबर को जब स्कूल के कर्मचारी सफाई के लिए पहुंचे, तब चोरी की वारदात का पता चला। इसके बाद प्रभारी प्राचार्य संतोष कुमार भारती ने भटगांव थाने में इसकी शिकायत की थी। पुलिस ने धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस पहुंची आरोपी तक

शासकीय स्कूल में चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन एवं एसडीओपी अभिषेक पैकरा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिन्हा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान 11 नवंबर को पुलिस को सूचना मिली कि जरही निवासी सूरज राजवाड़े (पिता विफल राजवाड़े) चोरी किए गए कंप्यूटर सीपीयू और प्रिंटर को बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। पुलिस ने तत्काल संदेही को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने चोरी की वारदात स्वीकार कर ली।

नर्सरी की झाड़ियों में छिपाया था चोरी का सामान

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि चोरी के बाद उसने सामान को प्लास्टिक की बोरियों में भरकर स्कूल के पीछे स्थित नर्सरी की झाड़ियों में छिपा दिया था। पुलिस ने आरोपी के निशानदेही पर 4 नग बैट, एक कंप्यूटर सीपीयू, दो प्रिंटर, तीन बंडल ए-4 पेपर और तीन नग बैटरी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, बरामद सामान की कीमत करीब 90 हजार रुपये है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायिक रिमांड पर भेजा है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिन्हा, सहायक उप निरीक्षक राजकिशोर खलखो, प्रधान आरक्षक सुशील मिश्रा, आरक्षक दिनेश ठाकुर, रजनीश पटेल, विनोद प्रताप सिंह एवं नगर सैनिक बब्लू राजवाड़े सक्रिय रहे।

पटवारियों की हड़ताल पर कलेक्टर सख्त, 'काम नहीं तो वेतन नहीं' लागू

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। जिले में अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर गए पटवारियों के खिलाफ कलेक्टर ने सख्त आदेश जारी किया है। कलेक्टर कार्यालय भू-अभिलेख शाखा से जारी आदेश के अनुसार हड़ताल में शामिल पटवारियों पर 'काम नहीं तो वेतन नहीं' का सिद्धांत लागू होगा। आदेश में कहा गया है कि जिले में पदस्थ पटवारी 13 अक्टूबर 2026 से हड़ताल में शामिल होकर शासकीय कार्यों का संपादन नहीं कर रहे हैं। शासन सत्र से दिए गए महत्वपूर्ण निर्देशों का भी पालन नहीं हो रहा है। इससे आम नागरिकों से संबंधित राजस्व कार्य प्रभावित हो रहे हैं। हड़ताल के कारण नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा और व्यपवर्तन जैसे काम अटक गए हैं। इसके साथ ही ई-गिरदावरी योजना के तहत किसान पंजीयन, डीसीएस, पॉलीगन, अक्षांश और देशांतर की प्रविष्टि जैसे किसानमूलक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। शासन की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी असर पड़ रहा है। आदेश के अनुसार हड़ताल में शामिल होकर शासकीय कर्तव्यों का निर्वहन नहीं करने वाले ऐसे सभी पटवारियों, जिनकी अनुपस्थिति स्वीकृत अवकाश अथवा अन्य किसी वैध आधार से आच्छादित नहीं है, उन्हें अनुपस्थित अवधि का वेतन नहीं दिया जाएगा। वेतन संबंधी कार्रवाई प्रचलित सेवा नियमों और शासन के निर्देशों के अनुरूप की जाएगी। कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और तहसीलदारों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अधीनस्थ पटवारियों की अनुपस्थिति का सत्यापन कर प्रमाणित प्रतिवेदन संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारी को प्रस्तुत करें।

करमा महोत्सव में जनजातीय लोक संस्कृति की दिखी अनूठी छटा

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने कलाकारों का किया उत्साहवर्धन

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। आकांक्षी विकासखंड लखनपुर के साक्षरता मिनी स्टेडियम में जनजातीय गौरव सप्ताह के अंतर्गत बुधवार को ब्लॉक स्तरीय जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव 'करमा महोत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल रहे। मांदर की गूंजती थाप और पारंपरिक करमा गीतों के बीच रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया।

इस दौरान मंत्री राजेश अग्रवाल भी कलाकारों के साथ करमा नृत्य में शामिल हुए और जनजातीय संस्कृति के उत्साह को साझा किया। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की लोककला, संस्कृति



और परंपराएं छत्तीसगढ़ की अमूल्य धरोहर हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि इन समृद्ध परंपराओं को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाएं। ऐसे आयोजन जनजातीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करते हैं और हमारी सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान दिलाते हैं। मुख्य अतिथि मंत्री राजेश अग्रवाल ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विजेता दलों को पुरस्कृत कर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष शशिकला विक्रम सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष सावित्री दिनेश साहू, एसडीएम रामराज सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत लखनपुर खुशबू शास्त्री, एसडीओ आरईएस, कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा, आकांक्षी विकासखंड फेलो सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

इन्हें किया गया पुरस्कृत

महोत्सव में विकासखंड के ग्राम तुरना, कोरजा, लोसगा और केवरा सेक्टरों से आए 12 नृत्य दलों ने अपनी लोककला का प्रदर्शन किया। करमा नृत्य प्रतियोगिता में जय शिव शारदा करमा पार्टी परसोदी कला ने प्रथम तथा आदिवासी करमा दल पीपरखार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं शहीद वीर नारायण सिंह लोक कला महोत्सव के अंतर्गत आयोजित लोकनृत्य प्रतियोगिता में शैला पार्टी तराजू ने प्रथम स्थान हासिल किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दल जिला स्तरीय प्रतियोगिता में लखनपुर विकासखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

पिता ने मोबाइल ज्यादा देखने पर की आपत्ति, छात्रा जहर सेवन करके दे दी जान

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। थाना क्षेत्र के ग्राम बकनाखुर्द में एक किशोरी ने मोबाइल देखने से मना करने पर जहर सेवन कर लिया, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम बकनाखुर्द निवासी प्रयाग राम की 15 वर्षीय पुत्री प्रतिभा राजवाड़े शासकीय हाईस्कूल परसा में कक्षा 10वीं की छात्रा थी। पिता ने पुलिस को बताया कि 8 नवंबर को उन्होंने बेटी को मोबाइल ज्यादा देखने और पढ़ाई में ध्यान नहीं देने की बात को लेकर डांटा था। संभवतः इसी बात से नाराज होकर उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। घटना दिनांक 9-10 नवम्बर की दरम्यानी रात परिवार के सभी सदस्य खाना खाकर सो गए थे। प्रतिभा अपने कमरे में पलंग पर सोई थी। 10 नवंबर की सुबह



करीब 5.30 बजे प्रयाग राम अपने पुराने घर में चले गया था। करीब 6.30 बजे पुत्र गौरव राजवाड़े ने फोन कर बताया कि बहन कुछ खा ली है। इसकी खबर मिलने पर जब वह घर पहुंचा तो उनकी पुत्री प्रतिभा अर्द्धबेहोशी की हालत में बिस्तर पर पड़ी थी, और उल्टी की थी। मुंह से जहर का महक आ रहा था। स्वजन उसे तुरंत होलीक्रॉस अस्पताल लेकर गए, यहां इलाज के दौरान 11 नवंबर को अलसुबह करीब 3 बजे डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दरीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा